डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 > अंक : 45 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

सभी सुधि पाठकों को बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

हिलव्यू समाचार

सच्चाई की मंज़िल संघर्षों व कठिन रास्तों से गुज़रकर ही सफलता की ओर ले जाती है। -शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, रविवार, 07 मई 2023

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों से बड़ा गहलोत सरकार का सियासी सिस्टम?

गिरिधारी मंदिर परिसर पर कब्जा करने वाले अतिक्रमी किरायेदार रामकिशोर मीणा के अवैध कब्जे पर निगम व पुलिस के संरक्षण में अवैध छत डाली दी गई। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की अवमानना कर भ्रष्ट तंत्र जीत गया।

पंडित राजेन्द्र शर्मा
गिरिधारी मंदिर के पुजारी परिवार में से एक सदस्य

■ गिरिधारी मंदिर मामले में लगातार हो रही एक तरफ़ा कार्यवाही। राजस्थान के शासन-प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की नहीं है परवाह?

■ आख़िरकार किराए पर ली गयी अवैध कब्ज़े की ज़मीन पर निगम व पुलिस की सुरक्षा में डाल दी गई अवैध छत!

■ सुप्रीम कोर्ट में ख़ुद को किरायेदार स्वीकारने वाला रामकिशोर मीणा नगर निगम हवामहल से फ़र्ज़ी पट्टा बनवाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की उड़ा रहा धज्जियाँ!

रामकिशोर मीणा, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना कर शासन-प्रशासन पर पुत्र रामप्रसाद मीणा की मौत का प्रेशर बनाकर आख़िर अवैध कब्ज़े पर छत डलवा ली!

शालिनी श्रीवास्तव
जयपुर (हिलव्यू समाचार)। गिरिधारी मंदिर,चाँदी की टकसाल,राजामल तालाब का मामला गर्माता जा रहा है। रामकिशोर मीणा द्वारा किरायेदार बनकर अवैध कब्ज़ाये हुए गिरिधारी मंदिर परिसर पर चुनावी साल को मद्देनज़र रखते हुए शासन और प्रशासन के सहयोग से अवैध छत आनन-फानन में डाल दी गयी है और रामकिशोर मीणा के पुत्र रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या से आंदोलित हुए समाज के एक बड़े तबके को संतुष्ट कर दिया गया।

रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या का मुख्य कारण

गिरिधारी मंदिर परिसर में किराए की आड़ में कब्ज़ाए भाग का नगर निगम हवामहल से अवैध पट्टा मिलीभगत कर रामकिशोर मीणा को दिया गया इससे पुत्र रामप्रसाद व पूरे मीणा परिवार का भ्रम और हौसले दोनों बढ़े और इसी बीच सर्वोच्च न्यायालय में दिए गए रामकिशोर मीणा के झूठे शपथ पत्र व नज़ीर की कार्यवाही प्रभाव में आने पर और सही फैसला होने की आशंका व सुप्रीम कोर्ट की अवमनाना का अपराध सारे मीणा परिवार के गले की हड्डी बन गया। मंदिर पुजारियों की न्यायिक लड़ाई के सकारात्मक परिणामों के कारण अवैध कब्ज़ाया हुआ गिरिधारी मंदिर परिसर मीणा परिवार को हाथ से जाता दिखाई देने लगा और इस तरह सारा मामला इस तरह गरमाया कि मृतक रामप्रसाद मीणा की मौत (आत्महत्या)का कारण बना।

गहलोत-शासन और प्रशासन की एक तरफ़ा कार्यवाही

रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या से माहौल संवेदनशील होकर लगातार एक तरफ़ा होता चला गया और दलित रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या का दबाव गहलोत सरकार पर चुनावी साल में इतना गहरा बना जिसे गहलोत सरकार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकती थी चाहे उस आत्महत्या के मूल तथ्य कुछ भी रहे हों,वास्तविकता कुछ भी रही हो। भाजपा नेता राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा की अगुवाई में गहलोत सरकार पर दबाव बना और कई बड़े फ़ैसले मीणा परिवार के पक्ष में लिए गए जिनमें से कुछ फैसले गिरिधारी मंदिर के पुजारियों के लिए पीड़ा का विषय तो बने ही एक तरफा कार्यवाही का प्रतीक भी बने। पुजारी परिवार के दो सदस्यों को आनन-फ़ानन में गिरफ़्तार कर मामले पर ठंडे छींटे डाले गए जबकि जिस अपराध के लिए पुजारी परिवार के देवेंद्र शर्मा और ललित शर्मा को गिरफ़्तार किया गया वह वजह ही नहीं बनती गिरफ्तार करने की। इसी बीच गहलोत सरकार व प्रशासन द्वारा मामले की गहराई में नहीं जाकर कब्ज़े की ज़मीन को रामकिशोर मीणा के सूपुर्द कर छत डलवाना बड़ा ही हास्यास्पद निर्णय रहा।गहलोत सरकार व प्रशासन की यह एक तरफ़ा कार्यावाही कई बड़े सवाल खड़े करती है।

सबसे बड़ा प्रश्न

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना,अवमानना करते हुए,उसे दरकिनार करते हुए किस तरह और क्यों अवैध कब्ज़े पर,अतिक्रमण की गई ज़मीन पर छत डालकर अतिक्रमी रामकिशोर मीणा को सरकार संतुष्ट कर रही है? क्या सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बड़ा हो गया सियासी सिस्टम?

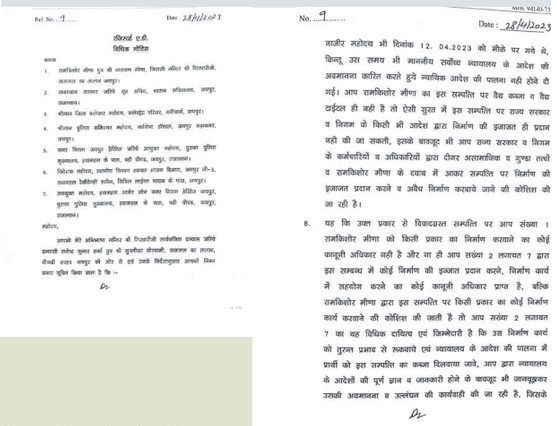

पुजारी परिवार द्वारा सुप्रीम कोर्ट की अवमनाना के क्रम में राजस्थान सरकार,प्रशासन,निगम व रामकिशोर मीणा को दिए गए लीगल नोटिस जिसके बावजूद भी कब्ज़े की ज़मीन पर निगम व पुलिस की देखरेख में अवैध छत डाल दी गयी।

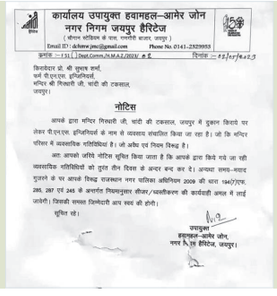

कार्यालय उपायुक्त हवामहल–आमेर जोन
नगर निगम जयपुर हैरिटेज
(चौगान स्टेडियम के पास, गणगौरी बाजार, जयपुर)
Email ID : dchmw.jmc@gmail.com Phone No. 0141-2329953
क्रमांक :– F 51 ( ) Dept.Comm./H.M.A.Z./2023/ 02 दिनांक :– 02/05/2023

किरायेदार प्रो. श्री सुभाष शर्मा,
फर्म पी.एन.एस. इन्जिनियर्स,
मन्दिर श्री गिरधारी जी, चांदी की टकसाल,
जयपुर।

नोटिस

आपके द्वारा मन्दिर गिरधारी जी, चांदी की टकसाल, जयपुर में दुकान किराये पर लेकर पी.एन.एस. इन्जिनियर्स के नाम से व्यवसाय संचालित किया जा रहा है। जो कि मन्दिर परिसर में व्यवसायिक गतिविधियां है। जो अवैध एवं नियम विरूद्ध है।

अतः आपको जरिये नोटिस सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा किये गये जा रही व्यवसायिक गतिविधियों को तुरंत तीन दिवस के अन्दर बन्द कर दे। अन्यथा समय–मयाद गुजरने के पर आपके विरूद्ध राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 194(7)एफ, 285, 287 एवं 245 के अन्तर्गत नियमानुसार सीजर/ध्वस्तीकरण की कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी आप स्वयं की होगी।

सूचित रहे।

उपायुक्त
हवामहल–आमेर जोन,
नगर निगम हैरिटेज, जयपुर।

यह दोहरे मापदंड क्यों?

एक तरफ़ नगर निगम हवामहल जयपुर हैरिटेज द्वारा 250 साल पुराने हैरिटेज गिरिधारी जी मंदिर के वर्षों पुराने किरायेदारों को नोटिस भेजा जा रहा है और दूसरी तरफ़ सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना व वास्तविकता को परे रखकर अवैध कब्ज़े पर अवैध छत डलवाकर रामकिशोर मीणा किरायेदार व अतिक्रमी का निर्माण कार्य निगम व पुलिस की देखरेख में सरकार के आदेशों पर हवामहल नगर निगम करवा रहा है?

ख़बर-बेख़बर

पुलिसकर्मियों का व्यवहार महिलाओं के प्रति ज़्यादातर दोगला क्यों होता है?

■ क्या रेल की पटरी पर शराब पीकर लेट जाना कोई अपराध नहीं?

■ क्या शराब पीकर रेलवे प्लेटफॉर्म पर हंगामा खड़ा करना कोई अपराध नहीं?

■ बिना प्लेटफॉर्म टिकट, बिना यात्रा टिकट शराब पीकर प्लेटफॉर्म पर घूमना अपराध नहीं?

शालिनी श्रीवास्तव
कोटा (हिलव्यू समाचार)। शाम 5.20 पर गंगानगर सुपरफास्ट ट्रेन आने को है। प्लेटफॉर्म नम्बर 01 पर भीड़ है ऐसे में कोटा रेलवे स्टेशन का एक दृश्य रेलवे प्रबंधन पर कई प्रश्न खड़े करता है।

दृश्य

- एक शराबी व्यक्ति जिसके पास यात्रा और प्लेटफॉर्म टिकट नहीं है यहाँ तक कि ख़ुद का कोई आईडी पत्र नहीं!
- वह शराबी व्यक्ति पत्नी से शराब पीकर झगड़ा करता है और फिर नाराज़ होकर रेल पटरी पर जाकर सो जाता है!
- आसपास भीड़ रेलवे पुलिसकर्मी को सूचित करती है!
- रेलवे पुलिसकर्मी उसे पटरी से आवाज़ लगाकर धमकाता है और उठाता है!
- उस शराब में धुत्त व्यक्ति को रेलवे पुलिसकर्मी कुछ पूछता है,शराबी अपनी पत्नी के वहाँ होने का ज़िक्र करता है!
- रेलवे पुलिसकर्मी उसे पकड़ कर लाता है और लाकर उल्टा शराबी की पत्नी को ही धमकाता है जो चुपचाप ट्रेन के आने का इंतज़ार कर रही है। सबसे ज़रूरी बात उसके पास आईडी और यात्रा टिकट दोनों हैं!
- महिला शराबी आदमी को साथ लेने को मना करती है कि यह मेरे साथ नहीं जा रहा। उसका कोई टिकट भी नहीं है मेरे पास।
- उसके बावजूद रेलवे पुलिसकर्मी महिला पर ही ज़ोर आज़माइश करता है और दबाव बनाता है कि इसको साथ लेकर जाओ या इसका आईडी लाओ। महिला को डाँटता-फटकारता है लेकिन शराबी पर कोई कार्यवाही या डाँट-फटकार नहीं करता?

अब कुछ प्रश्न भारतीय रेलवे विभाग से

- 1. व्यक्ति शराब पीकर प्लेटफॉर्म पर आज़ादी से घूम रहा है लोगों से टकरा रहा है क्या यह उसका ज़ुर्म नहीं?
- 2. बिना टिकट आईडी के वह प्लेटफॉर्म पर कैसे आया?
- 3. ट्रेन आने के ठीक 5 मिनट पहले उसका रेल पटरी पर सो जाना क्या जघन्य अपराध नहीं। रेलवे नियमों का उल्लंघन नहीं?
- 4. पारिवारिक झगड़े के चलते अन्य यात्रियों को असुविधा और रेलवे प्रशासन प्रबंधन में बाधा नहीं?
- 5. रेलवे पुलिसकर्मी का एक तरफ़ा व्यवहार एवम निर्दोष स्त्री पर हावी होना क्या स्त्रियों के प्रति पुलिस के रवैय्ये को उजागर नहीं कर रहा?
- 6.रेलवे पुलिसकर्मी का शराबी पर कोई कार्यवाही नहीं करना रेलवे नियमों की वास्तविक स्थिति को बयां नहीं करता?
- 7.क्या रेलवे नियमों का उल्लेख हर प्लेटफॉर्म पर नहीं होना चाहिए कि लोगों सतर्क व जागरूक रहें?
- 8.भारतीय रेलवे प्लेटफॉर्म के नियमों का उल्लंघन करने पर सजाओं की धारा या प्रावधान का विवरण प्लेटफॉर्म पर नहीं होना चाहिए?
- 9.क्या रेलवे पुलिसकर्मी का निर्दोष स्त्री को फटकारना,दबाना या धमकाना उचित था?
- 10. आख़िर रेलवे पुलिसकर्मी ने उस शराबी व्यक्ति पर कार्यवाही क्यों नहीं की जब तक कि हिलव्यू समाचार संपादक होने से पहले एक जागरूक महिला नागरिक होने के नाते इस पर मैंने विरोध दर्ज नहीं कर दिया?
- 11.मेरे आवाज़ उठाने पर ही रेलवे पुलिसकर्मी उस शराबी व्यक्ति को दो-चार थप्पड़ देता हुआ रेलवे पुलिस चौकी की ओर क्यों ले गया पहले ही क्यों नहीं?

निष्कर्ष प्रश्न : शराबी व्यक्ति के सारे अपराधों को दरक़िनार कर आख़िर निर्दोष महिला पर पुलिसकर्मी का धौंस जमाना क्या प्रमाणित करता है?

कोटा का परकोटा बन जायेगा एक्सिडेंटल पॉइंट

यातायात होगा अवरुद्ध स्मार्ट सिटी में

कुलदीप गुप्ता
कोटा (हिलव्यू समाचार)। एक तरफ़ स्मार्ट सिटी और हैरीटेज लुक के लिए करोड़ो ख़र्च किये जा रहे हैं और दूसरी ओर हैरीटेज का ऐतिहासिक परकोटे का संरक्षण ख़तरे में पड़ता जा रहा है।

जहाँ कोटा के परकोटे में पुरातात्विक महत्व के कारण लाड़पुरा दरवाजे का आकर्षक सौंदर्यीकरण किया गया है वहीं दूसरी ओर हेरिटेज महत्व के दरवाजे के ऊपर बने अतिक्रमण को नज़रंदाज़ किया जा रहा है।

परकोटे पर अतिक्रमण कर बने मकान तो नहीं हटाए गए और बल्कि पहली बार परकोटे की गोलाई में दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। यहाँ यातायात का निरंतर दबाव बना रहता है जिससे यातायात बाधित होगा । एक्सीडेंटल केस होंगे। सरकारी तंत्र को यह सब भी देख-परखने की आवश्यकता है। चुनावी साल में बेतरतीबी के निर्णय लेने की जल्दी करने की कवायद भारी भी पड़ सकती है।

सूचना एवं फोटो साभार: सुधीन्द्र गौड़,कोटा

जेडीए द्वारा पूर्व में ध्वस्त हुई अवैध कॉलोनियों पर फिर से निर्माण जारी

जेडीए जोन-12, जोन-14 पीआरएन साउथ में जेडीए की टोलरेंस नीति पर कॉलोनाइज़रों की मनमानी चरम पर

जेडीए जोन 14 में महर्षि गौतम स्कूल के पास अवैध प्लॉटिंग।

जेडीए जोन-12 ग्राम पीथावास, लालचन्दपुरा, लिंक रोड़ में गोविंद विहार-3 फ़र्ज़ी कॉलोनी का निर्माण

कुलदीप गुप्ता
जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जेडीए की प्रवर्तन शाखा की अवैध कॉलोनियों पर मेहरबानी का आलम देखना है तो आप जोन-14, जोन-12 व पीआरएन साउथ में देख सकते है जहाँ पर पूर्व में ध्वस्त कॉलोनियों,अवैध फ्लेट्स बेचान व अवैध निर्माण कार्य फिर से तेज़ी से शुरूहो गये हैं। इन ध्वस्त कॉलोनियों से तोड़फोड़ करने पर रेवेन्यू भी प्राप्त किया गया और जेडीए द्वारा ख़र्च दिखाया गया। कृषि भूमि पर बिना भू-रूपांतरण के बन रही आवासीय कॉलोनियों पर प्रवर्तन शाखा ने ध्वस्तीकरण कर एक बार तो कॉलोनाइजरों पर शिकंजा कसा भी लेकिन अन्य ध्वस्त कॉलोनियों के ठीक विपरीत जेडीए जोन-14, जोन- 12 में नतीजे रहे कि दूसरे दिन ही वापस विलाएँ बनने लगीं।

■ रिंग रोड से पहले महर्षि गौतम स्कूल के पास' हो रही कॉलोनी पर पूर्व में दिनांक 27 सितम्बर 2022 को ध्वस्तिकरण की कार्यवाही अब फिर से प्लॉट बिकना व निर्माण बनना शुरू हो गये । जहाँ प्रवर्तन अधिकारी का रोजाना आना-जाना होता है वहाँ क्या उनको उक्त कॉलोनी में अवैध होते निर्माण नज़र नहीं आते?

■ दूसरी अवैध कॉलोनी कल्लावाला गाँव में बिना भू-रूपांतरण के बन रही 'कल्याण वाटिका' को पूर्व में दिनाँक 21अगस्त 2022 को ध्वस्तीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की गई थी परन्तु आँख-मिचौली के चलते वर्तमान में यहाँ पर 30-40 विलाओं का निर्माण तीव्र गति से संचालित हो गया।

■ जेडीए के जोन 12 कालवाड़ रोड़ पर स्थित ग्राम पीथावास लालचन्दपुरा लिंक रोड पर बिना भू-रूपांतरण कराये 'गोविंद विहार-3' पर पूर्व में दिनांक 30 मई 2022 को ध्वस्तिकरण की कार्यवाही की गई लेकिन फिर वर्तमान में यहाँ अवैध विलाज़ का निर्माण अनवरत रूप से पुनः संचालित हो जाता है। यहाँ तक कि दंड गृह निर्माण सहकारी समिति से फ़र्ज़ी पट्टे बाँटे जा रहे हैं। जेडीए प्रवर्तन अधिकारी को लगातार शिक़ायतों के बाद भी उनकी ख़ामोशी व निष्क्रियता कई प्रश्न खड़े करती है।

■ पीआरएन साउथ में डॉ राजेन्द्र प्रसाद नगर में एमएसबी सुप्रीम ट्यूलिप प्लॉट न.23-24 खसरा नंबर 135 में बिल्डर संजय अग्रवाल ने 8 फ्लैट की स्वीकृति लेकर 16 अवैध फ्लैट बना लिए। जिस पर जेडीए प्रवर्तन अधिकारी की कार्यवाही अब तक केवल दिखावटी ही हुई है। गार्ड नियुक्त किया गया लेकिन वह मौक़े पर मौजूद नहीं रहा और अब बिल्कुल नहीं है।

जेडीए के पीआरएन साउथ में डॉ राजेन्द्र प्रसाद नगर में प्लॉट नंबर 23-24, खसरा नंबर 135 में 8 फ्लैट्स की जेडीए अनुमति लेकर 16 अवैध फ्लैट्स का अवैध निर्माण और अब अवैध बेचान भी शुरू।जेडीए के साथ-साथ इनकमटैक्स को भी चूना लगा रहे बिल्डर संजय अग्रवाल।

यह सारी परिस्थितियां भूमाफ़ियाओं से जेडीए अधिकारियों व कर्मचारियों की साठगांठ के गठजोड़ को दर्शाती है। प्रवर्तन शाखा की अवैध कॉलोनियो पर जीरो टोलरेंस नीति की पोल खुलती हुई नजर आ रही है। जेडीए की पिक एण्ड चूज़ की कार्यवाहियों से जेडीए का नहीं अपितु राज्य सरकार के राजस्व को भारी नुकसान पहुँच रहा है।कॉलोनाइजरों द्वारा ना तो जोनल प्लान व सेक्टर प्लान ध्यान रखा जाता ना ही भू-रूपांतरण कराया जाता है। भूमि पुनर्गठन तो जैसे अस्तित्व में ही नहीं आता। पार्क-सुविधा क्षेत्र का पालन नहीं किया जाता। फलतः न केवल अनियोजित विकास होता है अपितु खरीददार की जीवन की संचित कमाई को भी ये अवैध निर्माणकर्ता दांव पर लगा देते हैं और ये खरीददार जीवनभर इन अवैध विलाओं और इमारतों के फ्लैट्स में समस्याओं से जूझते रहते है।

अब सवाल यह है कि हिलव्यू समाचार में ख़बरें प्रकाशित होने पर, लगातार जेडीए विभाग में हिलव्यू टीम द्वारा आयुक्त, मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी, ईओ, उपायुक्त, को सूचित करने, संपर्क करने पर भी उक्त कॉलोनियों पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही। आख़िर क्या वजह है कि चारों तरफ़ फैले अतिक्रमण और अवैध निर्माण जेडीए के किसी भी अधिकारी कर्मचारी को नज़र नहीं आ रहे?

दख़ल

सड़क हादसों में होने वाली मौतें और अपंगता की बढ़ती संख्या ने यह सोचने पर विवश किया है कि क्या विकास की धुरी मानी जानी वाली सड़कें मौत का प्रमुख कारण और जगह बनती जा रही हैं? जिस सड़क से सारा यातायात संचालित होता है, क्या वे जीवन छीनने का कारण बनती जा रही हैं? सड़कें अर्थव्यवस्था की वृद्धि की आधार हैं, तो क्या सड़कों पर हो रही मौतें अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचा रही हैं?

सड़क हादसों के प्रति लापरवाही गलत

कुछ सालों में केंद्रीय सड़क और राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा संबंधी उपाय किए हैं। उनमें सुरक्षित बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहित करना, जागरूकता पैदा करना, सुरक्षा कानूनों का प्रवर्तन एवं सड़क सुरक्षा सूचना का डेटाबेस तैयार करना जैसे उपाय शामिल हैं। इसके कुछ सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। मगर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं ने इन सारे उपायों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। वजह है कि इन उपायों का पालन ठीक से नहीं कराया जा रहा है। कठोर कानून होने के बावजूद लोगों को भय नहीं सताता, जिसका परिणाम प्रतिदिन सैकड़ों सड़क हादसों के रूप में सामने आता है। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के मकसद से 2019 में मोटर वाहन अधिनियम को बेहद कठोर बना दिया गया। साथ ही, वाहन सुरक्षा के लिए नए तकनीकी मानक भी लागू किए गए। इसके बावजूद यातायात नियमों का सरेआम उल्लंघन किया जाता है।

सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। देखा गया है कि गड्ढे वाली और टूटी-फूटी सड़कों पर लापरवाही या जानबूझ कर गलत तरीके से वाहन चलाने से हुई दुर्घटनाओं से कोई सबक नहीं लेता। शहरों में लालबत्ती पार करने, अधिक रफ्तार से गाड़ी चलाने और आगे निकलने की प्रवृत्ति आम है। यह दुर्घटनाओं को आमंत्रित करने जैसा है। इससे सैकड़ों लोग घायल होते और मरते हैं। इसमें यातायात पुलिस की लापरवाही भी कम जिम्मेदार नहीं है। वहीं हादसा होने के बाद घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाने में हुई देरी घायल व्यक्ति की मौत का बड़ा कारण है, मगर आम लोग घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे नहीं आते। राज्य सरकार की तरफ से घायल को तत्काल चिकित्सा और राहत पहुंचाने वाली सुविधाएं भारत में बहुत कम हैं। इससे भी घायल व्यक्ति की मौत असमय हो जाती है। एक सर्वेक्षण के अनुसार दोपहिया वाहनों पर दुर्घटना का शिकार होने वाले 75 फीसद लोग हेलमेट का प्रयोग नहीं करते।

देश में सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण गुणवत्तापूर्ण ड्राइविंग स्कूलों की बेहद कमी भी है। आंकड़े बताते हैं कि सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली 80 फीसद मौतों के लिए वाहन के चालक प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होते हैं। यह विडंबना ही कही जाएगी कि जो सुझाव सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात विशेषज्ञों द्वारा दिए जाते रहे हैं उन्हें मुस्तैदी के साथ पालन कराने के लिए यातायात पुलिस कुछ दिन तो काम करती है, लेकिन धीरे-धीरे फिर वही पुराना ढर्रा कायम हो जाता है। वरना क्या कारण है कि भारत में ही सबसे अधिक सड़क हादसे होते हैं? हाल में केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की खास वजह तेज रफ्तार से गाड़ी चलाना और सड़क नियमों का पालन न करना है। गौरतलब है कि साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2011 से 2020 के दशक को 'सड़क सुरक्षा पर सहमति का दशक' घोषित किया था। उसका असर दुनिया के देशों में तो हुआ, लेकिन भारत में कोई असर दिखाई नहीं दिया। पिछले एक दशक में सड़क दुर्घटनाएं कम होने के बजाय बढ़ती गई हैं। चीन के बाद सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती हैं। आंकड़े बताते हैं कि दुर्घटनाओं में 12.42 प्रतिशत प्रतिवर्ष तथा सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों में 29.16 फीसद प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हो रही है। ये आंकड़े सरकारी हैं।

गैर-सरकारी आंकड़ों में मौतों का आंकड़ा इससे पांच गुना ज्यादा है। आंकड़े के मुताबिक दुनिया में बारह लाख से ज्यादा लोग सड़क हादसों में मारे जाते हैं, जबकि इससे पांच गुना से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं, जिनमें ज्यादातर अपंग हो जाते हैं। इनमें युवाओं की तादाद तीन चौथाई से ज्यादा है। विश्व के कुल वाहनों का महज दो फीसद भारत में हैं, पर सड़क हादसों में होने वाली मौतें बारह फीसद से ज्यादा हैं। दुनिया के तमाम देशों ने अपने कड़े सड़क कानून और जनजागरूकता अभियानों के जरिए सड़क हादसों में वृद्धि नहीं होने दी, लेकिन पिछले बीस सालों में सड़क दुर्घटनाओं की वजह से भारत में 75 फीसद से ज्यादा की वृद्धि हो चुकी है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत में कितना सड़क कानूनों का पालन किया और कराया जाता है। सड़क सुरक्षा पर जारी की गई विश्व स्थिति रिपोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामले की मुख्य पांच वजहें बताई हैं।

सीमा से ज्यादा तेज गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना, सुरक्षा पेटी न बांधना, दोपहिया चलाते वक्त हेलमेट न पहनना और बच्चों की सुरक्षा के उपायों की अनदेखी शामिल है। गौरतलब है कि जिस रफ्तार से विकास का आधार मानी जाने वाली सड़कों का निर्माण हो रहा है, उस अनुपात में सड़क सुरक्षा के उपाय न होने की वजह से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। यह भी सच है कि वाहन चालक सड़क यातायात नियमों का पालन भी नहीं करते। इसी वजह से देश में हर साल एक लाख 55 हजार लोगों की मौत सड़क हादसों में हो जाती है। यानी रोजाना 455 लोग सड़क हादसों में मारे जाते हैं। पिछले दस सालों में देश में सड़कों और हाइवे का तेजी से जाल बिछा है। इससे जहां तरक्की के रास्ते खुले हैं, वहीं सड़क हादसों में हो रही मौतों ने कई सवाल खड़े किए हैं। आकड़ों के मुताबिक आम सड़कों की तुलना में राष्ट्रीय राजमार्गों पर मौतें ज्यादा हो रही हैं। राष्ट्रीय अपराध अनुसंधान ब्यूरो के मुताबिक राष्ट्रीय राजमार्ग कुल सड़कों का महज 1.58 फीसद है और सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों का 27.5 फीसद इन पर होती हैं। इसी तरह राज्य हाइवे में देश की कुल सड़कों का महज 3.28 फीसद है, लेकिन कुल सड़क दुर्घटनाओं में इसका हिस्सा 25.2 फीसद है और कुल मौतों में 32.6 फीसद।

इस तरह राष्ट्रीय और राज्य हाइवे को मिलाकर महज 4.86 फीसद होता है, लेकिन दुर्घटनाओं के मामले में यह 52.7 फीसद है और कुल होने वाली मौतों में इसकी हिस्सेदारी तकरीबन 60.1 फीसद है। सड़क सुरक्षा के मानकों का महत्व समझना और समझाना दोनों है, क्योंकि देश में सड़क नेटवर्क का तेजी से हो रहे विस्तार, गाड़ियों की संख्या में हो रही वृद्धि और शहरीकरण का नकारात्मक पक्ष सड़क दुर्घटनाओं के रूप में सामने आ चुका है। सड़क हादसों में होने वाली मौतें और अपंगता की बढ़ती संख्या ने यह सोचने पर विवश किया है कि क्या विकास की धुरी मानी जानी वाली सड़कें मौत का प्रमुख कारण और जगह बनती जा रही हैं? जिस सड़क से सारा यातायात संचालित होता है, क्या वे जीवन छीनने का कारण बनती जा रही हैं? सड़कें अर्थव्यवस्था की वृद्धि की आधार हैं, तो क्या सड़कों पर हो रही मौतें अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचा रही हैं?

सवाल है कि क्या सड़क हादसों में होने वाली मौतों को रोका या कम किया जा सकता है? दरअसल, जिस तरह देश-समाज की सुरक्षा वाले कानूनों का पालन दिखावा बन कर रह गया है वैसे ही यातायात नियमों की अनदेखी प्रवृत्ति बन गई है। यातायात नियमों का पालन, वाहन को नियंत्रित सीमा में रखना, पैदल यात्रियों का सड़क पार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना, सड़कों को मानक रूप में बेहतर बनाए रखना और 'ओवरटेक' करने से बचना जरूरी है। सड़क सुरक्षा सप्ताहों में जिस तरह पुलिस यातायात नियमों के पालन के लिए लोगों को जागरूक और बाध्य करती है, वैसी जागरूकता हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाए, तो हादसों में कमी लाई जा सकती है।

■ अखिलेश आर्येंदु
(वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादकीय

आतंकवाद पर पाक बेपर्दा

गोवा में एससीओ सम्मेलन में विदेश मंत्री जयशंकर ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के सामने आतंकवाद का मुद्दा उठाया और दुनिया को इस मुद्दे पर एक होने का न्योता दिया। आतंकवाद के मसले पर पाक की नीति अब दुनिया के सामने आ चुकी है।

गोवा के पणजी में शुक्रवार को विदेश मंत्रियों की एससीओ परिषद की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की मौजूदगी में आतंकवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को हर हाल में रोकना होगा। किसी भी कीमत पर इससे समझौता नहीं किया जा सकता। टेरर फंडिंग पर लगाम लगाने की जरूरत पर भी सभी ध्यान देना होगा। जयशंकर ने कहा कि दुनिया पाकिस्तान को आतंकवाद के केंद्र के रूप में देखती है और पाकिस्तान को अपनी हरकतों में सुधार कर एक अच्छा पड़ोसी बनने की कोशिश करनी चाहिए। विदेश मंत्री ने अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के भारत के पड़ोसी देश पर दिए बयान को भी दोहराया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जो लोग अपने आंगन में सांप पालते हैं, वे सांप एक दिन उन्हें ही डस लेते हैं। यह पहला मौका नहीं है। भारत हर फोरम पर इस मुद्दे पर पाक को घेरता रहा है और उसकी नीतियों को सामने लाता रहा है।

भारत ने एक तरह से साफ कर दिया है कि अगर पाकिस्तान अपने रवैये में सुधार नहीं करता तो रिश्तों को सामान्य बनाना भी मुश्किल है। दोनों देशों के बीच बातचीत होगी तो सिर्फ पाकिस्तान के समर्थन से चल रही आतंकी गतिविधियों पर होगी। अगर पाकिस्तान इसके लिए तैयार हो तो बात आगे बढ़ सकती है। आतंकवाद के मसले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठघरे में खड़ा किए जाने के बाद पाकिस्तान को करना यह चाहिए था कि वह अपने रवैए में बदलाव करे, ताकि उसकी छवि में सुधार हो। लेकिन ऐसा लगता है कि पाक हर वक्त कोई न कोई ऐसी गतिविधि जारी रखना चाहता है, जिससे वह भारत के लिए परेशानी पैदा कर सके और साथ ही अपनी जनता का ध्यान समस्याओं से बंटाए रख सके। अब तक मुख्य हथियार आतंकियों और उनके संगठनों को पनाह देना रहा है, जिनके जरिए वह अक्सर भारत में आतंक का माहौल बनाए रखना चाहता है।

लेकिन इस मोर्चे पर भारत ने जिस तरह चौकसी बरती है, उसकी वजह से आतंकियों ने भले अपनी हरकतें जारी रखी हैं, मगर उन्हें अपने पांव पसारने में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली सकी है। साथ ही आए दिन सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आतंकी मारे जाते हैं। खासतौर पर जब से कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाया गया, उसके बाद वहां आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट नीति पर अमल किया जा रहा है। जाहिर है, अब आतंकी संगठनों का दायरा और प्रभाव कम होना शुरू हो गया है। इसी क्रम में आतंकी संगठनों और पर्दे के पीछे से उन्हें संचालित करने वालों के सामने मुश्किल यह पेश आ रही है कि उन्हें अब स्थानीय आबादी का साथ नहीं मिल पा रहा है। इसकी मुख्य वजह यही है कि कश्मीर के लोग अब तक के तनावपूर्ण माहौल और उसके नुकसान के बारे में पहले के मुकाबले ज्यादा व्यावहारिक तरीके से सोच-समझ रहे हैं। यानी एक तरह से वहां का समाज एक नए ताने-बाने की ओर बढ़ रहा है।

प्रकृति से ही है हमारा वज़ूद

हाल ही में वर्ल्ड वाइड फंड फार नेचर याने डब्लू डब्लू डब्लूएफ की ताजा रिपोर्ट के आंकड़े भयभीत करने वाले हैं। 13 अक्टूबर को जारी हुई लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2022 नामक इस दस्तावेज में कहा गया है कि सबसे अधिक, विलुप्त लगभग 94 प्रतिशत नुक्सान दक्षिणी अमेरिकी(लैटिन अमेरिकी) और कैरेबियाई देशों में हुआ है। अफ्रीका में 66 फीसदी व एशियाई क्षेत्रों में 55 फीसदी प्रजातियों विलुप्त हुई हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है दुनिया 1970 से अब तक 69 प्रतिशत वन्य जीव जंतुओं का इस धरती से खात्मा हो गया है। वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थान का मानना है कि जंगल में रहने वाली कई जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियां प्रतिवर्ष 2.5 प्रतिवर्ष की दर से कम हो रही हैं। दरअसल लिविंग प्लेनेट इंडेक्स एक किस्म की सूची है जिसमें दुनिया भर में पायी जाने वाली 5230 प्रजातियों की लगभग 32000 आबादी शामिल हैं।

अपनी तरह का विशिष्ट यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जो विश्वभर की जैवविविधताओं को लेकर समय-समय पर एक गंभीर रिसर्च बेस्ड स्टडी है। रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि दिखाया कि विश्व भर में उष्णकटिबंधीय इलाकों में कशेरुक वन्य जीवों आबादी विशेष रूप से घट रही है। जलवायु परिवर्तन के लगातार बढ़ते खतरों से अकेले भारत में ही पाए जाने वाले 12 प्रतिशत स्तनधारी जीव और तीन फीसदी पक्षियों की प्रजातियों पर विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है। हमारे देश में मौजूद लगभग 19 फीसद उभयचर (पानी और जमीन दोनों में रहने वाले जीव) जीव जबरदस्त खतरे में हैं। पिछले कुछ सालों में कई ऐसे रिसर्च सामने आए हैं जो जलवायु परिवर्तन से जैव विविधता पर पड़ रहे बुरे प्रभावों की ओर ध्यान खींचते हैं। जलवायु परिवर्तन से सीधे तौर पर धरती पर तापमान में असंभावित वृद्धि हो रही है।

साल दर साल यह सिलसिला जारी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि बहुत से जीव-जंतुओं की प्रजनन क्षमता पर बढ़ते तापमान का व्यापक असर पड़ा है। कई जीवों में ग्लोबल वार्मिंग के कारण बांझपन के मामले बढ़ गए हैं। बीते साल यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल के इकोलाजिस्ट ने एक स्टडी में बताया कि तापमान बढ़ने से कई प्रजातियों के नरों में बांझपन बढ़ा दिया है। एक लोकप्रिय कथन है कि मनुष्य के अतिरिक्त धरती पर मौजूद सभी जीवित इकाइयां प्रकृति को बहुत कम नुक्सान पहुंचाती हैं। आमतौर पर हम सभी ने पिछले 20-30 सालों में आसपास की बहुत सी जीव और वनस्पतियों की प्रजातियों को खत्म होते देखा है। आज गौरैया समेत कई किस्म की घरेलू चिड़िया, तितलियां और कई छोटी-मोटी वनस्पतियां नहीं दिखती हैं। चूंकि पारिस्थितिक तंत्र गड़बड़ा गए हैं इसलिए ये जीव या पौधे गायब हो गए हैं।

जैव विविधता खतरनाक तरीके से संकट की ओर बढ़ रही है। हाल में हुई कई रिसर्च स्टडीज इस कथन को सही साबित भी करती हैं। हमारा वजूद प्रकृति से है। हमें प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन की दिशा में तुरंत कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। वक्त रहते ऐसा नहीं हुआ तो कहीं विलुप्ति का संकट मानव प्रजाति पर न आ जाए। हमें सावधानी से आगे बढ़ना होगा।

जैवविविधता खतरनाक तरीके से संकट की ओर बढ़ रही है। हाल में हुई कई रिसर्च स्टडीज इस कथन को सही साबित भी करती हैं। पर्यावरण और पारिस्थितिक तंत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि धरती पर अब मनुष्य ने प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया है। इससे वनस्पतियों के जीवन पर संकट बढ़ गया है। पारिस्थितिक तंत्र के गड़बड़ाने से सीधा असर जलवायु चक्र पर भी पड़ा है। और दरअसल जलवायु परिवर्तन की प्रक्रिया का असंतुलित होना ही अपने आप में एक बहुत बड़ा वैश्विक संकट है। यह कहना बिल्कुल सही है कि इसके लिए मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार हैं। लगातार बढ़ते अलग-अलग किस्म के प्रदूषणों का दुष्प्रभाव इंसान समेत धरती के समस्त जीव-जंतुओं पर पड़ रहा है। कहना मुनासिब होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण धरती पर महाविनाश के हालात बन सकते हैं।

ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से दुनिया के महासागरों का ताप भी बढ़ रहा है। ध्रुवों पर जमी बर्फ पिघल रही है। इन तमाम परिस्थितियों को देखते हुए वैज्ञानिकों का मत है कि आने वाली कुछ सदियों में विनाश की ऐसी स्थिति आ सकती है। कुछ साल पहले कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च टीम ने दुनिया के 170 से अधिक देशों में 1960 के बाद से मौजूद जलवायु परिवर्तन संबंधी आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर रिपोर्ट तैयार की। वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि पृथ्वी पर महज डेढ़ डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने की स्थिति में मानव के अस्तित्व पर खतरे उत्पन्न हो जाएंगे। उन्होंने यह आकलन करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभावित होने वाले देशों की अर्थव्यवस्थाएं चरमरा सकती हैं। अब पूरी दुनिया के वैज्ञानिक इस बात पर लगभग एकमत हैं कि हमारी धरती के लगातार बढ़ते तापमान से ग्लेशियरों का पिघलना लगातार जारी है। इससे अनेक देशों में जलवायु चक्र बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

किसी इलाके में कई देश लंबे सूखे को झेल रहे हैं तो कई मुल्कों में अतिवृष्टि से लगातार बाढ़ के हालातों से लोग परेशान हैं। इससे वहां की जैवविविधताएं जबरदस्त रूप से तहस-नहस हुई है। अध्ययन बताते हैं कि पिछली एक सदी में समुद्री जल स्तर लगभग आठ इंच बढ़ गया है। इससे दुनियाभर में समुद्र तटीय इलाकों की इकालोजी गड़बड़ा रही है। समुद्री तट वाले कई शहरों का बहुत बड़ा इलाका समुद्र में समा गया है। कुछ साल पहले मेंढकों की लगातार घटती आबादी एक बड़ी चिंता का विषय बन गई थी। हमारी खाद्य श्रंखला में मेंढक जैसे उभयचर जीव एक महत्वपूर्ण कड़ी बने हैं। अकेले मेंढकों के कम होने से ही कई तरह के कीट-पतंगे जिसमें मच्छरों की कई प्रजातियां शामिल हैं, अप्रत्याशित रूप से बढ़ सकती हैं। इसके अपने नुक्सान हैं। इस रिपोर्ट में में बताया गया है कि पानी, हवा और भूमि पर पाए जाने वाले सभी छोटे-बड़े जीवों पर खतरा समान रूप से बढ़ा है।

हमें यह समझना होगा कि प्रकृति में मौजूद हर जीव-वनस्पति का अपना महत्व है। अब वक्त आ गया है जब हमें जलवायु परिवर्तन की भविष्यवाणियों तथा अध्ययनों के निष्कर्षों को गंभीरता से लेना चाहिए। यूनाइटेड नेशंस के राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय के अनुसार 1998 से लेकर 2017 तक की अपधि में पूरी दुनिया को जलवायु परिवर्तन के कारण तीन लाख करोड़ डॉलर की क्षति हुई है। हमारे देश में भी इस समयावधि में अनेक प्राकृतिक आपदाओं से लगभग आठ हजार करोड़ डॉलर का नुक्सान हुआ है। हम मनुष्यों को प्रकति को संवारने व वातावरण को अनुकूल बनाए रखने के लिए संसाधनों के दोहन के बजाए संरक्षण की तरफ ज्यादा ध्यान देना होगा।

हमारा वजूद प्रकृति से है। हमें प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन की दिशा में तुरंत कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। वक्त रहते ऐसा नहीं हुआ तो कहीं विलुप्ति का संकट मानव प्रजाति पर न आ जाए। हमें याद रखने की जरूरत होनी चाहिए कि जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवन यापन के योग्य बनाती है किंतु विडंबना है कि निरंतर बढ़ते प्रदूषण रूपी राक्षस वातावरण पर इतना खतरनाक प्रभाव डाल रहा है कि अब जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की प्रजातियां धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं।

■ संदीप भट्ट
(वरिष्ठ पत्रकार)

एससीओ सम्मेलन में जिस तरह से आतंकवाद का मसला उठाया गया है, उससे पाक पर दबाव बन सकता है। भारत को इस मंच का पूरा उपयोग करना चाहिए।

कमर आगा, रक्षा विशेषज्ञ

आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान कभी यह स्वीकार नहीं करेगा कि वह इसमें भागीदार है। भारत को दुनिया को साथ लाकर पाक की करतूत उजागर करनी होगी।

पीके सहगल, रक्षा विशेषज्ञ

सत्यार्थ

माणिक चोर

रूबीलैंड के महल में, एक माणिक चोर था। किसी को नहीं पता था कि वह कौन है। और चोर ने सभी को इतना बेवकूफ बनाया कि उसके बारे में केवल एक ही बात पता चली थी कि वह महल में रहता था। राजा ने यह पता लगाने का फैसला किया कि यह कौन है, और उसने बुद्धिमान बौने से मदद मांगी जो अपनी बुद्धि के लिए प्रसिद्ध था। अगली सुबह बुद्धिमान बौना सभी महल निवासियों को एक ही कमरे में एक साथ मिलता है। पूरी सुबह उनका निरीक्षण किया और दोपहर के भोजन के दौरान बौना उन सभी से एक-एक कर पूछने लगा, कि वे चोरी किए गए गहनों के बारे में क्या जानते हैं। एक बार फिर, ऐसा लगा कि कोई भी चोर नहीं था। लेकिन फिर, अचानक, एक माली को खांसी, धड़कन और कराहना शुरू हो गया और वह फर्श पर गिर गया। बौना समझाता है कि उन्होंने जो भोजन किया था, उसमें जहर था, और इस जहर के लिए केवल एक ही दवा है जो उस माणिक के अंदर छिपी हुई है जो पिछली रात को चुराया गया था। खांसी और कराह पूरे कमरे में फैल गई और सभी को डर लग रहा था। एक व्यक्ति को छोड़कर सभी को। एक नौकर को उन गहनों को ढूंढने में देर नहीं लगी, जहां उसने गहने छिपाए थे, जहां पर उसने वो माणिक छुपाया था। क्योंकि अगर वह इसे खोलने और उसके अंदर से अजीब तरल पीने में सफल होगा तो ही वह अपने जीवन को बचा पाएगा। क्योंकि माली वास्तव में बौने के सहायकों में से एक था। और जहर थोड़ी देर के लिए कुछ मजबूत दर्द पैदा करने के लिए तैयार की गई औषधि से ज्यादा कुछ नहीं था लेकिन इससे ज्यादा कुछ नहीं। लेकिन चोर अब पकड़ा जा चुका था। राजा ने बुद्धिमान सलाहकार को पुरस्कृत किया। जब उसने बौने से पूछा कि उसका रहस्य क्या है, बौना मुस्कुराया और कहा मैं केवल उस व्यक्ति को जानने की कोशिश करता हूं जो सच बोल सके। राजा ने कहा -और इसे कौन जानता था यदि चोर ने सभी को धोखा दिया था, तो नहीं, महाराज, हर कोई नहीं। कोई भी सभी को धोखा दे सकता है, लेकिन कोई भी खुद को धोखा नहीं दे सकता है।

एक नज़र

फूल मोहम्मद हत्याकांड

सभी 30 अभियुक्तों की सजा सस्पेंड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले के चर्चित फूल मोहम्मद हत्याकांड मामले में सभी 30 आरोपियों की हाईकोर्ट ने सजा सस्पेंड कर दी। हाईकोर्ट के जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने बनवारी लाल मीणा सहित अन्य 17 के सजा स्थगन प्रार्थना पत्र पर आदेश दिए। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता जीएस गिल, एसएस होरा, गिरीश खंडेलवाल, गोपालकृष्ण, अधिवक्ता राजेश गोस्वामी आदि अधिवक्ताओं ने पैरवी की। सीआई मोहम्मद हत्याकांड मामले में 16 नवंबर, 2022 को एसीजेएम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए 30 आरोपियों को दोषी करार दिया था, वहीं 49 आरोपियों को बरी कर दिया था। सीबीआई ने इस मामले की जांच कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई के वकील श्रीदास सिंह ने बताया कि अदालत ने मामले में तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक सहित 30 लोगों को दोषी मानकर सभी आरोपियों को आजीवन कारावास और अलग-अलग आर्थिक दंड की सजा सुनाई थी।

नगर निगम में 124 कर्मचारी अनुपस्थित, सबको नोटिस

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर ने सुबह 9:50 बजे निगम मुख्यालय का औचक निरीक्षण के दौरान उन्हें 124 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। औचक निरीक्षण के दौरान इस तरह की लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने उन कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मेयर सौम्या गुर्जर ने कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा आगामी समय में कार्यालय में तय समय पर नहीं आने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय को साफ एवं सुंदर रखते हुए स्वस्थ्य वातावरण में कार्य करें, जिससे अधिक से अधिक जनहित के कार्य समयबद्धता से किये जा सकें।

राम दरबार-शिव पंचायत की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 19 जून से

जयपुर। आशीर्वाद बालाजी न्यू गायत्री सिटी-2 जामड़ोली में राम दरबार, राधाकृष्णा, दुर्गा माता, श्याम बाबा व शिव पंचायत की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 19 से 21 जून तक होगा। इसको लेकर आयोजन समिति की बैठक हुई तथा प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इसमें सत्येन्द्र कुमार शर्मा, जादूगर एस कुमार, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, इंद्राज नैनीवाल, बद्री सिंह राजावत, मनीष ठाकुरिया, घनश्याम पांचाल, मनोज लवानिया, अवधेश बना, कालूराम शर्मा व कॉलोनी के लोगों ने विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विचार-विमर्श किया। हनुमत उपासक सत्येंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि 19 से 21 जून तक तीन दिवसीय कार्यक्रम का में भव्य कलश यात्रा व 11 कुंडीय महायज्ञ का भी आयोजन होगा।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा... 'रावण'

मुख्यमंत्री गहलोत बोले... जनता का पैसा चुकाकर आप बन जाओ 'राम'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में विधानसभा की चुनावी बयार आने से पहले नेताओं के बीच जुबानी जंग में तीखापन आता जा रहा है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह ने गुरुवार को मुख्यमंत्री को रावण कह डाला तो अशोक गहलोत ने शुक्रवार को शेखावत पर तीखा पलटवार किया।

संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी घोटाले में शेखावत की कथित संलिप्तता की ओर इशारा करते हुए गहलोत ने कहा कि अगर मैं रावण हूं तो तुम राम बन जाओ और निवेशकों का पैसा लौटाओ। इसके साथ ही गहलोत ने भाजपा नेताओं को ललकारते हुए कहा कि आप मुझ पर पत्थर फेंकोगे मैं उनसे घर बनवाऊंगा, स्कूल बनवाऊंगा, अस्पताल बनवाऊंगा यह मेरी सोच है।

सीएम गहलोत ने हनुमानगढ़ के रावतसर कस्बे में महंगाई राहत शिविर के अवलोकन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस घोटाले में केंद्रीय मंत्री के मित्र जेल में हैं और उनके खुद की भी जेल जाने की नौबत है। गहलोत ने कहा कि केंद्रीय मंत्री मुल्जिम हैं तो उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन्हें बर्खास्त करना चाहिए।

सीएम गहलोत ने केंद्रीय मंत्री शेखावत को नसीहत देते हुए कहा कि तुम मर्यादा पुरुषोत्तम राम बनना सीखो। तुम इतने भ्रष्ट आदमी हो। तुमने लूट लिया लोगों को। दुनिया के मुल्कों में जाकर तुमने फार्म हाऊस खरीद लिए। पैसा वहां ले गया। जितनी प्रॉपर्टी है संजीवनी की, उन्हें बेचकर उन गरीबों का पैसा चुकाओ।

क्या कहा था केंद्रीय मंत्री शेखावत ने

चित्तौड़गढ़ में गुरुवार को बीजेपी की जन आक्रोश रैली में अपने भाषण के आखिर में केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान में राजनीति के इस रावण अशोक गहलोत को समाप्त करना चाहते हो तो भुजाएं उठाओ और राजस्थान में राम राज्य की स्थापना के लिए संकल्प कीजिए।

मुल्ज़िम नहीं हो तो क्यों गए उच्च न्यायालय

राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर ने केंद्रीय मंत्री की तरफ से गिरफ्तारी की रोक को लेकर दायर की याचिका जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अभी उच्च न्यायालय से उसने स्थगन लिया है। वह कहते है कि मैं तो मुल्जिम हूं ही नहीं। तुम मुल्जिम नहीं हो तो उच्च न्यायालय गए ही क्यों?

कभी भी जेल जा सकते हैं शेखावत

सीएम गहलोत ने शुक्रवार को इसका जिक्र करते हुए शेखावत पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि शेखावत और भाजपा नेता झल्लाकर मेरे बारे में अपशब्द कहने लगे हैं आजकल। मैं रावण हूं? तुमने तो लूट लिया। संजीवनी सोसायटी में दो-ढाई लाख लोग बेचारे बर्बाद हो गए हैं। पैसे खाकर बैठ गए। जेलों में बंद हैं उनके मित्र लोग। उनके मित्रों को जेल में डाला हुआ है। वो भी कभी भी जेल जा सकता है ऐसी नौबत है।

आवासन मंडल अपनाएगा प्रोफेशनल तरीका

निर्माण श्रमिकों को कार्यस्थल पर ही दिया जाएगा प्रशिक्षण

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नवाचारों की कड़ी में आवासन मंडल देशभर में पहली ऐसी संस्था बन जाएगा जो सरकारी, गैर सरकारी, दिहाड़ी पर आने वाले, बिल्डरों के निर्माण श्रमिकों को नरेडको के सहयोग से प्रोफेशनल तरीके से प्रशिक्षित कराएगा।

दरअसल केंद्रीय एजेंसी नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल राजस्थान आवासन मंडल के सहयोग से आगामी 2 वर्षों में 'निपुण' (नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर प्रमोशन ऑफ अपस्किलिंग ऑफ निर्माण वर्कर्स) कार्यक्रम के तहत राज्य के 20 हजार निर्माण श्रमिकों को ऑन साइट कौशल प्रशिक्षण देगी। इसके लिए दोनों संस्थाओं ने मंगलवार को एमओयू साइन किया।

यह प्रशिक्षण ऑन साइट ही दिया जाएगा, जिससे निर्माण कार्य भी बाधित नहीं होगा।

नरेडको के वाइस प्रेसिडेंट अशोक पाटनी ने बताया कि पहले चरण में मंडल के अधीन प्रदेश भर में चल रही 150 से अधिक परियोजनाओं से जुड़े श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जनता के ख़र्च पर प्रधानमंत्री के ख़िलाफ़ प्रोपेगेंडा चलाना दुर्भाग्यपूर्ण: राजेंद्र राठौड़

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि राजस्थान के मुखिया अशोक गहलोत महंगाई राहत कैंप को जन अभियान बताकर झुनझुना बजा रहे हैं, जबकि इन कैंपों का उद्देश्य जनता को राहत प्रदान करना नहीं बल्कि अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति करना है। राठौड़ ने कहा कि कैंपों में प्रसारित हो रहे आम आदमी पार्टी के वीडियो के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरूद्ध प्रोपेगेंडा चलाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निकृष्ट मानसिकता को प्रदर्शित करता है। कांग्रेस की हालत अब यह हो गई है, उसे अपने कैंपों में आप पार्टी की वीडियो क्लिप का सहारा लेना पड़ रहा है। राठौड़ ने कहा कि 24 अप्रैल से शुरू हुए महंगाई राहत शिविरों में कांग्रेस सरकार जनता की गाढ़ी कमाई के धन का दुरुपयोग देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ दुष्प्रचार करने में कर रही है, जिससे कांग्रेस की सुनियोजित साजिश का पर्दाफाश हो रहा है।

फ़र्जी IAS पकड़ा... मकान मालिक से 2.75 लाख ऐंठे

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। शहर के मथुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई कर एक फर्जी आईएएस को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी फर्जी आईएएस बनकर एक मकान में रह रहा था। साथ ही मकान मालिक की बेटी से शादी भी रचाना चाहता था।

इतना ही नहीं आरोपी ने अपने मकान मालिक से 2.75 लाख रुपए भी ऐंठ लिए थे। लेकिन जब मकान मालिक को आरोपी पर शक हुआ तो उसने पुलिस को शिकायत की, जिसके बाद फर्जी आईएएस अधिकारी की कलई खुल गई। इतना ही नहीं बीते दिनों ये फर्जी आईएएस डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती से 1 दिन पूर्व 13 अप्रैल को जिला कलेक्टर आलोक रंजन के हाथों सम्मानित भी हो चुका था। जानकारी के मुताबिक, धौलपुर में बाड़ी थाना क्षेत्र के खैमरी का रहने वाला सुरजीत सिंह (27) 2 महीने से भरतपुर कलेक्ट्रेट के सामने मोहल्ले में किराए पर रह रहा था। करीब 15 दिन पहले उसने मकान मालिक से कहा कि उसका आईएएस में सेलेक्शन हो गया है। इसके बाद पूरे मोहल्ले में खुशी मनाई गई। इसके बाद 13 अप्रैल को आयोजित बाबा भीमराव अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में कलेक्टर सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे, उस दौरान फर्जी आईएएस सुरजीत सिंह को कलेक्टर आलोक रंजन ने सम्मानित कर बधाई दी। उस कार्यक्रम में कलेक्टर आलोक रंजन के अलावा यूआईटी सचिव कमल राम मीणा और भरतपुर नगर निगम के मेयर अभिजीत कुमार जाटव भी मौजूद थे, उन्होंने भी सुरजीत को बधाई दी थी।

बांसवाड़ा: जन आक्रोश रैली में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने अशोक गहलोत सरकार पर बोला हमला

प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने जनता से की वादा खिलाफी

हिलव्यू समाचार

बांसवाड़ा। जिले में भाजपा की ओर से आयोजित जन आक्रोश महाघेराव रैली के दौरान हुई सभा में प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस शासन के प्रति आक्रोश है। जनता की आवाज को गांव से लेकर ढाणी तक और विधानसभा से संभाग मुख्यालय तक जनता की आवाज़ को बुलंद करने का काम भारतीय जनता पार्टी जन आक्रोश सभा के माध्यम से कर रही है। उन्होंने कहा कि साढ़े चार वर्षों में प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने किसानों, बेरोजगारों और महिलाओं को धोखा देने के अलावा कोई कार्य नहीं किया। किसानों का कर्जा माफ नहीं करके राजस्थान के हजारों किसानों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया है। पिछले चार वर्षों में युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं मिला। सभा को प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष व उदयपुर संभाग प्रभारी हेमराज मीणा, बांसवाड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह राव सहित कई भाजपा नेताओं ने भी सम्बोधित किया। प्रदेशाध्यक्ष की उपस्थिति में कांग्रेस के नेता जनार्दन पटेल ने अपने साथियों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। जोशी ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया। सभा के बाद कार्यकर्ता रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे और घेराव किया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर रोष जताया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

केन्द्र ने किसी को नहीं लगाया लाइन में

प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार में आजादी के बाद पहली बार जनधन खाते खुले। इसका लाभ देने के लिए किसी को भी किसी कैंप में नहीं बुलाया गया। वहीं स्वच्छ भारत अभियान के लिए जो शौचालयों का काम हुआ उसमें भी किसी को कैंप में जाने की जरूरत नहीं पड़ी। आज किसान सम्मान निधि सीधा किसानों के बैंक खाते में जाती है। सरकार 2018 के बजट में जो घोषणाएं की थी वो भी आज तक पूर्ण रूप से क्रियान्वित नहीं हुई है।

पेपर लीक से युवाओं के सपने टूटे

जोशी ने कहा कांग्रेस सरकार ने आरपीएससी जैसी पवित्र संस्थान को कलंकित किया है। जहां युवा अपने सुनहरे भविष्य के सपने देखता है, माँ बाप अपना पेट काटकर बच्चे को पढ़ाने के लिए भेजते हैं, वहा पेपर लीक जैसी घटना से युवाओं का मनोबल और उनके सपने टूट रहे हैं। गहलोत सरकार ने पृष्ठभूमि की जांच करे बिना ही आरपीएससी के मेंबर नियुक्त किए जो राजस्थान के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जोशी सुबह त्रिपुरा सुंदरी मंदिर पहुंचे तथा पूजा- अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की। वहां से वे पूर्व राज्यमंत्री धनसिंह रावत के पिता के निधन होने पर उनके गांव शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। इसके बाद वे पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम पालीवाल के निवास पर पहुंचे तथा उनकी कुशलक्षेम पूछी।

महंगाई राहत कैंपों में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बोले...

प्रधानमंत्री मोदी की कथनी व करनी में बहुत अंतर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानून नहीं बनाने के लिए शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी कथनी व करनी में बहुत अंतर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे दुख इस बात का है कि मोदी जी कहते कुछ हैं, वह काम होता नहीं है, हमें शिकायत है उनसे। जब वह (मोदी) मुख्यमंत्री थे मेरी तरह, तब वह कहते थे कि देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानून बनना चाहिए।

अब हम उनसे पूछते हैं कि जो मांग आप करते थे, आप प्रधानमंत्री बन गए देश के दो बार, आपकी खुद की मांग थी कि एमएसपी का कानून बनना चाहिए किसान हित में, उनकी आय दोगुनी होनी चाहिए। उस पर आपका ध्यान क्यों नहीं जा रहा है? ये मैं पूछना चाहता हूं आपसे। कानून क्यों नहीं बन रहा है? गहलोत ने कहा कि उन्होंने देश में जातिवार जनगणना के लिए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है ताकि देश में हर जाति को न्याय मिले।

शुक्रवार को चूरू, सीकर और हनुमानगढ़ में महंगाई राहत कैंपों का जायजा लेने पहुंचे गहलोत ने कहा कि भाजपा वाले घबरा गए हैं, इस बार, जन आक्रोश रैलियां निकाल रहे हैं जिनमें कुर्सियां खाली पड़ी रहती हैं, न जन आता है ना आक्रोश वहां दिखता है। जनता तो महंगाई राहत कैंपों में आकर खुश है। राहत कैंपों में जनता को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इससे आमजन प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं, भाजपा नेताओं से कि ये तो बताओ कि आक्रोश मेरी सरकार से किन-किन बातों का है। मैं कोई मोदी जी की तरह नहीं हूं। आप अगर मुझे सच्ची बात बताओगे अगर मुझमें या मेरी सरकार में कोई कमी है तो मैं उसे दूर कर लूंगा।

भाजपा का नया रूप सामने आ रहा है: गहलोत

गहलोत ने कर्नाटक में भाजपा के एक नेता के सोनिया गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणी को राजनीति में गिरावट का प्रतीक बताते हुए कहा कि भाजपा का नया रूप सामने आ रहा है। साथ ही उन्होंने ऐसी टिप्पणी करने वाले नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गहलोत ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा कीउलटी गिनती शुरू हो रही है कर्नाटक से । ऐसा लगता है, उस बौखलाहट के कारण ही ऐसी स्थिति हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले मैं प्रधानमंत्री मोदी को खुद पत्र लिखूंगा, और राज्य के सभी कांग्रेसजनों की भावना से उन्हें अवगत कराऊंगा। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि वह ऐसे लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं? वरना हम समझेंगे कि इनकी भावना भी उनके साथ में मिली हुई है। यह हमारा आरोप है।

आलोचना करने वाला देशद्रोही

गहलोत ने कहा कि ये लोकतंत्र है। ये मोदी वाला लोकतंत्र नहीं है कि आलोचना करने वाला जेल जाओ। मोदी जी के राज में आलोचना करने वाला देशद्रोही है। ये लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं देश में। अब अगर हिंदुस्तान की जनता नहीं समझी, प्रदेश के लोग नहीं समझे तो पता नहीं देश का क्या होगा आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी, यह मैं आपको अनुभव से कह सकता हूं। गहलोत ने कहा कि उन्हें किसी पद की भूख नहीं। मैं चाहता हूं कि जब तक मुझमें सांस है, मैं आपकी सेवा करूं।

सरकारी कार्यालयों में लगाए जाएंगे स्मार्ट प्री-पेड मीटर

जयपुर। प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में अब बिजली के बिलों की राशि बकाया नहीं रहेगी। सभी सरकारी कार्यालयों में 1 सितंबर से पहले बिजली के स्मार्ट प्री- पेड मीटर लगाए जाएंगे। बजट घोषणा 2022-23 के अनुसार विद्युत विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त राजकीय कार्यालयों सहित सभी विद्युत उपभोक्ताओं के स्मार्ट प्री- पेड मीटर लगाना अनिवार्य किया गया है। हालांकि कृषि उपभोक्ताओं को इस दायरे से बाहर किया गया है। बजट अनुपालना के लिए मुख्य सचिव उषा शर्मा ने प्रदेश के सभी राजकीय विभागों के विभागाध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर्स को सभी सरकारी कार्यालयों में 1 सितंबर से पहले प्री- पेड मीटर लगवाने के आदेश जारी किए हैं।

शिष्टमंडल ने की धारीवाल से मुलाकात

व्यापारियों ने कार्यवाही का जताया विरोध, कोर्ट में पैरवी की मांग

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज की ओर से हाईकोर्ट के आदेश के बाद 19 व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स को सीज करने की कार्रवाई के नोटिस देने के बाद व्यापारियों में आक्रोश दिख रहा है। बुधवार को व्यापारियों ने इन कॉम्प्लेक्सों को बंद कर विरोध दर्ज कराया। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, महामंत्री सुरेन्द्र बज के नेतृत्व में व्यापारियों ने विधायक अमीन कागजी से मुलाकात कर कार्रवाई रुकवाने की मांग की। वहां से व्यापारी विधायक के साथ नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल के बंगले पर पहुंचे और विरोध जताया। इस दौरान व्यापारियों ने मांग उठाई कि इस मामले में उच्च न्यायालय में सरकार पैरवी करे, ताकि 1000 से अधिक व्यापारियों को राहत मिल सके। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा कि जिन लोगों ने इमारतें बनाई थी, वो तो बेचकर चले गए। अब नोटिस से व्यापारियों के सामने संकट खड़ा हो गया है। वहीं विधायक कागजी ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश पर सरकार चाहकर भी राहत देने में सक्षम नहीं है। कोर्ट के आदेशों की अवहेलना नहीं की जा सकती।

ये है मामला

हाईकोर्ट के आदेश के बाद 19 व्यावसायिक इमारतों को हैरिटेज नगर निगम ने नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने इन सभी कॉम्प्लेक्स को सील और ध्वस्त करने के निर्देश दिए हैं। निगम ने जो नोटिस दिए हैं, उसमें लिखा है कि तीन दिन में अवैध निर्माण नहीं हटाया तो सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

एक नज़र

सूडान में फंसे 24 राजस्थानी प्रवासी पहुंचे नई दिल्ली

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सूडान में जारी संकट के बीच वहां फंसे भारतीयों को निकालने के लिए अभियान जारी है। इस बीच शुक्रवार को सूडान से भारतीयों को लेकर सी 17 ग्लोबलमास्टर फ्लाइट दिल्ली पहुंची, जिसमें 24 राजस्थानी भी शामिल हैं।

राजस्थानी प्रवासियों को पालम एयरफोर्स स्टेशन एयरपोर्ट पर राजस्थान हेल्प डेस्क पर रिसीव किया गया। जहां मुख्य आवासीय आयुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह एवं राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने फूल-मालाओं से राजस्थान के लोगों का स्वागत किया तथा उन्हें उनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की। शुभ्रा सिंह ने बताया कि पालम एयर फोर्स स्टेशन पर पहुंचे इन 24 प्रवासी राजस्थानियों में बाड़मेर, भरतपुर, नागौर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, हनुमानगढ़, जयपुर, टोंक और झुंझुनू के निवासी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन लोगों को राज्य सरकार द्वारा अपने खर्चे से कारों के माध्यम से उनके गंतव्य तक पहुंचाने और खान-पान की सारी व्यवस्थाएं की गई हैं। धीरज श्रीवास्तव ने कहा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर हेल्प डेस्क के साथ-साथ आने वाले प्रवासियों को घर तक पहुंचाने के लिए सभी संबंधित सुविधाओं का बेहतरीन इंतजाम किया गया है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय और राजस्थानी फाउंडेशन के प्रयासों से करीब 65 के आसपास प्रवासी राजस्थानी सूडान में फंसे होने की सूचना मिली थी। इनमें से 62 प्रवासी को राजस्थान सरकार के सहयोग से उनके परिवारजनों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा चुकी है।

पीएम श्री योजना पर शिक्षा विभाग की कार्यशाला

सरकारी स्कूलों को बनाएंगे 'नॉलेज सेंटर'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पीएम श्री योजना के तहत प्रदेश के सरकारी स्कूलों की कायापलट होगी। योजना के तहत प्रदेश के 402 सरकारी स्कूलों का चयन किया गया है। जिन्हें अब नॉलेज सेंटर के तौर पर तैयार किया जाएगा। योजना को धरातल पर लाने और कार्ययोजना को लेकर शुक्रवार को जयपुर में इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के 402 सरकारी स्कूलों के संस्था प्रधान, शिक्षक तथा जिला व राज्य स्तरीय पर विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअली जुड़े। कल्ला ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं, वहीं संसाधनों की दृष्टि से भी विद्यालयों को समृद्ध बनाया जा रहा है, शिक्षा के लिए इस प्रतिबद्धता के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने प्रदेश के सरकारी स्कूलों को 'नॉलेज सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए 'उत्कृष्टता प्रबंधन' की दिशा में अनवरत प्रयास जारी रखने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को खेल-खेल में और आनंद से भरे माहौल में शिक्षा देने के लिए शिक्षक अपने अनुभवों का भरपूर उपयोग करें, जिससे छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत बुनियाद तैयार हों। शिक्षा राज्य मंत्री जाहिदा खान ने कहा कि प्रदेश के पीएम श्री विद्यालयों को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित किया जाएगा।

40 प्रतिशत राशि प्रोजेक्ट इनोवेशन पर खर्च

कार्यशाला में राज्य के पीएम श्री स्कूलों के प्रधानाचार्यों एवं अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयकों की अलग-अलग टीमों के साथ राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के अधिकारियों ने उनकी वार्षिक कार्ययोजना और बजट प्रस्तावों पर बारीकी से चर्चा की। कार्यशाला में बताया गया कि योजना में चयनित सरकारी विद्यालयों में 2 करोड़ रुपए की सीमा में कार्य कराए जा सकेंगे, इसमें से प्रमुख रुप से 30 प्रतिशत राशि सिविल वर्क्स एवं 40 प्रतिशत राशि प्रोजेक्ट इनोवेशन पर व्यय करने का प्रावधान है।

आवासीय योजना से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

हिलव्यू समाचार

जयपुर। एआईएस (ऑल इंडिया सर्विस) रेजिडेंसी रेजिडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने शुक्रवार को बैठक की, जहां उन्होंने आवासीय योजना से जुड़े कार्यों में तेजी लाने सहित सभी लंबित कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा यहां आवासीय योजना में सीसीटीवी इंस्टॉलेशन, बीसलपुर पानी कनेक्शन, सभी ब्लॉक्स में लिफ्ट शीघ्र लगवाने, सीवरेज लाइन का कनेक्शन करवाने, पंप हाउस और स्विमिंग पूल, बिजली का काम, सोलर पैनल्स लगवाने, ईवी चार्जिंग स्टेशन बनवाने तथा योजना के सौंदर्यीकरण सहित कई अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की। अरोड़ा ने संबंधित अधिकारियों को आवासीय योजना से जुड़े तमाम कार्यों में अतिरिक्त श्रमिक लगवाकर काम करवाने के निर्देश दिए। लापरवाही बरतने वाले संवेदकों पर पेनल्टी के साथ आगामी मानसून में योजना में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण भी करवाया जाए। काम पूरा करके आवास जल्द से जल्द सौंपे जाएंगे।

बैठक में एआईएस रेजिडेंसी रेजिडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष और आईएएस विष्णु चरण मल्लिक, कोषाध्यक्ष और आरएएस बचनेश अग्रवाल, सदस्य और आईपीएस सचिन मित्तल, सदस्य और आरएएस अरविंद सारस्वत, महावीर सिंह, सदस्य अरुण गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आरटीडीसी चेयरमैन राठौड़ सहित कई नेता रहे मौजूद

नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का अभिनंदन

हिलव्यू समाचार

अजमेर। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का शुक्रवार को स्वागत किया गया। आरटीडीसी की होटल खादीम में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन एवं पूर्व विधायक डॉ. श्रीगोपाल बाहेती ने माला पहना कर मण्डल अध्यक्षों का अभिनंदन किया।

कांग्रेस के नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन ने कहा कि सभी मंडल अध्यक्ष महंगाई राहत कैंप में आमजन को लाभान्वित करने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाएंगे एवं हर वार्ड में महंगाई राहत कैंप का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल, वाहिद खान, मंडल अध्यक्ष कमल बैरवा, हेमंत जसोरिया, तौफिक खान, चितलेश बंसल, राजा झाझरी, छोटू सिंह रावत, भंवर सिंह राठौड़, हमीद चीता, गणेश चौहान, पंकज छोटवानी, निमेष चौहान सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

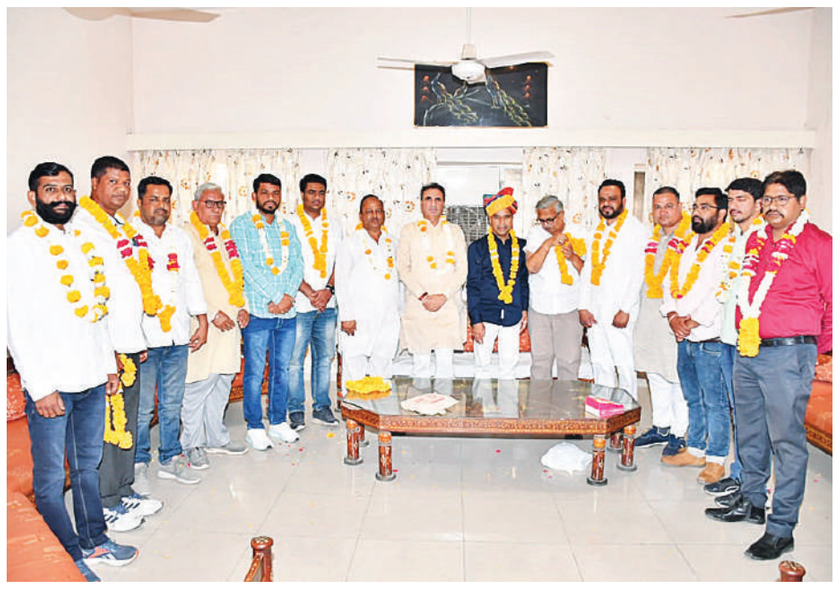

छिल्लर मंत्रालयिक कर्मचारियों से मिले, दिया आश्वासन

जयपुर। मानसरोवर ग्राउंड में चल रहा राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ का महापड़ाव शुक्रवार को भी जारी रहा। 12 दिन से आंदोलन कर रहे मंत्रलयिक कर्मचारी सरकार से पदोन्नति के प्रथम पद वरिष्ठ सहायक की ग्रेड-पे समकक्ष अन्य कैडर यथा ग्राम विकास अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक के अनुरूप 2800 के स्थान पर 3600 करने सहित विभिन्न मांग कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के अलवर जिला प्रमुख बलवीर सिंह छिल्लर ने शुक्रवार को धरना स्थल पर पहुंचकर मंत्रालयिक कर्मचारियों की प्रमुख मांगों का समर्थन किया और उनकी प्रमुख मांगों को पूर्ण करवाने का आश्वासन दिया।

वक़्त नहीं 'जश्न' मनाने का

खूबसूरती और प्रतिभा का सुमेल कियारा अडवानी हाल के वर्षों में 'जुग-जुग जियो', 'भूल भुलैया-2', 'शेरशाह', 'कबीर सिंह' और 'गुड न्यूज' जैसी सफल फिल्मों की बदौलत बॉलीवुड की नंबर वन अभिनेत्री की दावेदार बन चुकी हैं.

जब उनसे पूछा गया कि नंबर वन कहे जाने पर वह कैसा महसूस करती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, 'मैं खुद को नंबर वन अभिनेत्री नहीं मानती. मेरा साफ मानना है कि मेरा सफर अभी-अभी शुरू हुआ है. मेरी फिल्मों की सफलता मेरी है लेकिन उनमें निर्माता-निर्देशक, लेखक, को-स्टार्स सभी का बड़ा योगदान है और सभी इस सफलता के हकदार हैं. ऐसे में सफलता का सेहरा मैं अकेली कैसे बांधूं.'

अपने संघर्ष के बारे में उन्होंने कहा, 'मुझे दुख इस बात का है कि मेरी डेब्यू फिल्म 'फगली' असफल हो गई लेकिन मुझे अधिक संघर्ष इसलिए नहीं करना पड़ा क्योंकि आगे चलकर मेरी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल हो गईं. धर्मा प्रोडक्शंस ने मुझ पर हमेशा भरोसा किया. मैं अपने सारे मेकर्स का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिन्होंने मेरी पहली फिल्म फ्लॉप होने पर भी मुझ पर विश्वास किया और अपनी फिल्मों में मुझे मौका दिया. मेरे पिताजी जगदीप अडवानी बिजनेसमैन और मेरी मां छोटे बच्चों का स्कूल चलाती हैं. मास मीडिया एंड कम्युनिकेशंस में स्नातक करने के बाद मैं अपनी मां के स्कूल के साथ लंबे अर्से तक जुड़ी रही, लेकिन अभिनय में सफलता मिलने के बाद मैं फिल्मों से बिजी हो गई.'

फिल्मों की सफलता के बाद क्या वह परिवार के साथ जश्न मना पाती हैं, पूछने पर उन्होंने कहा, 'काहे का जश्न? मुझे फिल्मों की सफलता मनाने के लिए एक दिन का भी वक्त नहीं मिला. परिवार को मैं अपना वक्त न दूं, उनके साथ खुशियों के पल न गुजारूं तो मुझे चैन नहीं मिलता.'

स्टारडम मिलने के बाद ज़िंदगी कितनी बदली

स्टार बनने के बाद उनकी जिंदगी कितनी बदली है, पूछने पर उन्होंने कहा, 'अगर सफलता इंसान की दुनिया से दूर ले जाए, लोगों के बीच दूरियां बढ़ा दे, फासले पैदा कर दे तो फिर स्टारडम का क्या फायदा? सफलता मुझे लोगों से मिलने न दे, मेरे इर्द-गिर्द सिक्योरिटी का पहरा खड़ा कर दे तो मुझे ऐसे स्टारडम से नफरत है. सफलता मिलने से मुझमें कोई बदलाव नहीं आया. मैं तो आज भी अपने परिवार के साथ मॉल जाती हूं, कोई मेरे साथ सेल्फी लेना चाहता है तो मैं खुशी से सेल्फी क्लिक करती हूं. मेरे साथ एक सेल्फी लेने से उसके जीवन में खुशियां आ सकती हैं तो क्यों नहीं मैं उसे खुशियां दूं? मुझे लगता है मेरा प्रशंसक मेरे साथ ली गई सेल्फी जिंदगी भर संभालकर रखेगा.'

सैयामी खेर अपनी आने वाली फिल्म '8 ए.एम. मेट्रो' में गीतकार-निर्देशक गुलजार के साथ फिर से काम कर रही हैं. सैयामी के साथ फिल्म में गुलशन देवैया भी हैं, जिसे राज आर. ने निर्देशित किया है.

ऋतिक रोशन की 'कृष 3' को रिलीज हुए 10 साल होने को हैं. फिल्म के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार है, लेकिन अनाउंसमेंट के बाद से ही इस फिल्म पर बहुत धीमी गति से काम हो रहा है. कुछ महीनों पहले ऋतिक ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि एक 'छोटी-सी टेक्निकल' परेशानी के कारण फिल्म फ्लोर पर नहीं जा पा रही है. लगता है, निर्माता-निर्देशक और फ्रेंचाइजी के रचयिता राकेश रोशन और ऋतिक को उस 'छोटी-सी परेशानी' का कोई समाधान मिल गया है.

'कृष 4' को राकेश रोशन नहीं करण मल्होत्रा करेंगे डायरेक्ट !

लंबे अरसे बाद इस बहुप्रतीक्षित सुपरहीरो साइ-फाइ फिल्म से जुड़ी कोई अच्छी खबर सामने आई है. अपडेट यह है कि इस बार 'कृष 4' को राकेश रोशन नहीं, बल्कि कोई दूसरा निर्देशक डायरेक्ट करेगा. 2012 में आई ऋतिक की 'अग्निपथ' का निर्देशन करने वाले करण मल्होत्रा को राकेश रोशन और ऋतिक ने चौथी फिल्म की जिम्मेदारी सौंपी है. फिल्म की शूटिंग 2024 में 'वॉर 2' की शूटिंग पूरी होने के बाद शुरू होने की उम्मीद है.

सिद्धार्थ आनंद भी आए बोर्ड पर

करण मल्होत्रा ही इस टीम का नया चेहरा नहीं हैं, बल्कि 'बैंग बैंग' और 'वॉर' में ऋतिक को डायरेक्ट कर चुके सिद्धार्थ आनंद भी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बन गए हैं. 'पठान' के डायरेक्टर रहे सिद्धार्थ आनंद 'कृष 4' को प्रोड्यूस करेंगे. हालांकि, खबर थोड़ी हैरान करने वाली है, क्योंकि फ्रेंचाइजी की पिछली तीनों फिल्मों को राकेश रोशन ने प्रोड्यूस किया था. सकारात्मक बात यह है कि अब फिल्म प्री-प्रोडक्शन फेज में दाखिल हो चुकी है और जल्द ही इसकी स्टारकास्ट एवं प्लॉट को लेकर कुछ नए अपडेट्स सामने आने की उम्मीद है. कयास हैं कि ऋतिक फिल्म में एक गाना भी गाएंगे.

'शमशेरा' के बाद भी मौका

करण मल्होत्रा ने 'अग्निपथ' के बाद यशराज फिल्म्स के लिए रणबीर कपूर स्टारर 'शमशेरा' निर्देशित की थी. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह विफल रही. इतनी बड़ी फिल्म के फ्लॉप होने के बाद, करण के लिए इंडस्ट्री में राह आसान नहीं थी. बावजूद इसके, ऋतिक और राकेश रोशन ने करण में विश्वास दिखाते हुए, उन्हें बॉलीवुड की सबसे सफल फ्रेंचाइजी के लिए अनुबंधित किया है, जो एक हैरान कर देने वाला फैसला है. 'कृष 4' से जुड़ी यह अपडेट ट्विटर पर एक अकाउंट के जरिए शेयर की गई है. इस अपडेट की पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है.

ज़रूरी नहीं लेडी पुलिस है, तो मर्दाना एटिट्यूड हो

नेटफ्लिक्स पर 19 मई से स्ट्रीम होने वाली सच्ची घटना पर आधारित फिल्म 'कटहल' में सान्या मल्होत्रा पहली बार थानेदार बनी हैं. सान्या का कहना है, 'स्क्रीन पर माचो और दबंग पुलिस ऑफिसर किरदारों का वर्चस्व भले हो, लेकिन एक महिला पुलिस अधिकारी शालीनता के साथ भी उतनी ही प्रभावी और दबंग नजर आ सकती है, जितना पुरुष. इसलिए जरूरी न होने पर मर्दाना एटिट्यूड और दबंगई मुझे गैर वाजिब लगता है. इस फिल्म के दौरान मुझे आभास हुआ कि एक महिला पुलिसकर्मी को अपना प्रभाव दिखाने के लिए 'मर्दाना' होने की जरूरत नहीं है.'

'सिंघम अगेन' में करीना !

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म 'सिंघम अगेन' 2024 में रिलीज होगी.

इस फिल्म से कॉप यूनिवर्स को दीपिका पादुकोण के रूप में उसकी पहली 'लेडी सिंघम' भी मिल जाएगी. नई अपडेट यह भी है कि रोहित शेट्टी, 'सिंघम रिटर्न्स' के बाद एक बार फिर करीना कपूर को कास्ट कर रहे हैं. रिपोर्ट की मानें, तो करीना को फिल्म में साइन भी कर लिया गया है. फिल्म में करीना अपना पुराना किरदार ही निभाएंगी या कोई नया रोल प्ले करेंगी, इसका खुलासा नहीं किया गया है. फिल्म साल के आखिर में फ्लोर पर जाने वाली है. 'सिंघम अगेन', 'सिंघम रिटर्न्स' के 10 वर्ष बाद आ रही है.

'कैंसिल कल्चर' पर बोले अभय

बीते साल 'ट्रायल बाय फायर' में नजर आए अभय देओल का 'कैंसिल कल्चर' पर कहना है, 'आज हमारे पास सोशल मीडिया के रूप में खुद को व्यक्त करने और सवाल पूछने की ताकत है. इस ताकत के साथ जिम्मेदारी भी आती है. हालांकि, कुछ लोग नफरत फैलाने के लिए इसका दुरुपयोग करते हैं. 'बॉलीवुड बॉयकॉट' भी इसी सोशल मीडिया की देन है. मेरा मानना है कि असहमत होना या कोई सवाल उठाना स्वीकार्य है, लेकिन 'बॉयकॉट' कर धमकाना उचित तरीका नहीं है. यह कलाकारों के काम को हाशिए पर डाल देता है.'

'8 ए.एम. मेट्रो' में गुलज़ार की नज़्में पढ़ेंगी सैयामी

'मिर्जियां' के बाद गुलजार के साथ दोबारा काम करेंगी

फिल्म एक भावनात्मक कहानी है, जिसमें सैयामी का किरदार अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए गुलजार की लिखी नज्मों का सहारा लेती है. निजी जिंदगी में भी सैयामी, गुलजार की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं. वह फिल्म में उनकी पंक्तियां गुनगुनाने, सुनाने को लेकर उत्साहित हैं. सैयामी इससे पहले गुलजार के साथ फिल्म 'मिर्जियां' में काम कर चुकी हैं. सैयामी कहती हैं, '8 ए.एम. मेट्रो एक खूबसूरत कहानी है और इसे गुलजार साहब की नज्मों से सजाया गया है. उनकी कविताएं फिल्म में जान डाल देती हैं. मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे उनकी लिखी पंक्तियों को पढ़ने का मौका मिल रहा है.'

'प्यार' बाँटती रहूँगी

ग़ौहर ख़ान

'रॉकेट सिंह : सेल्समैन ऑफ द ईयर' के साथ फिल्मों में शुरुआत करने वाली गौहर खान गत वर्ष 3 वेब सीरीज 'बेस्टसेलर', 'साल्ट सिटी' और 'शिक्षा मंडल' में दिखाई दीं. गौहर एक एक्टिव सोशल मीडिया यूजर होने के नाते लगातार फैन्स को अपनी 'प्रेग्नेंसी जर्नी' की शानदार झलकियों के साथ अपडेट कर रही हैं.

पहले दो ट्राइमेस्टर कैसे थे, इस बारे में बातें साझा करने से लेकर प्रेग्नेंसी में तरह-तरह की चीजें खाने की इच्छा तक गौहर का सोशल मीडिया फीड वास्तव में बहुत दिलचस्प बन चुका है. हाल ही में उन्होंने ट्विटर पर 'आस्क मी एनीथिंग' (कुछ भी पूछो) सेशन की मेजबानी की, तो अपने फैन्स के कई सारे सवालों के जवाब दिए. एक फैन ने पूछा कि जब लोग आपके बारे में बेकार बातें करते हैं, खासकर जब आप गर्भवती हैं, तो क्या आपको निराशा होती है? इसके जवाब में गौहर ने उसे बड़ा ही समझदारी भरा जवाब देते हुए कहा, 'आपको जीवन में अपना काम तो करते ही रहना होगा, अगर इससे किसी को चोट पहुंचती है तो मैं उसके लिए माफी मंगना उचित समझती हूं, जो मैंने किया भी है. अगर इसके बाद भी लोग बिना किसी आधार पर आप पर दोषारोपण करने का कारण ढूंढ़ते हैं, तो यह उनका नेगेटिव नजरिया है, जो आपको इग्नोर करना होगा. मेरी कोशिश हमेशा प्यार बांटने की होती है. मैं हमेशा यही करती रहूंगी. मैं अपना प्यार सभी को भेजती हूं.' एक फैन ने उनसे पूछा कि वह अपनी गर्भावस्था के दौरान भी लगातार कैसे काम कर रही हैं, तो उन्होंने कहा, 'सर्वशक्तिमान की कृपा से.'

यूं मिला सच्चा प्यार

गौहर ने सच्चा प्यार पाने के बारे में बताया, 'मैं हमेशा प्यार की पुजारन रही हूं. मुझे प्यार चाहिए था इसलिए मैं हमेशा सच्चे प्यार की तलाश में रहती थी. मैंने कई गलतियां कीं और कई सबक सीखे लेकिन कोई पछतावा नहीं है. फिर मुझे अपना प्यार ऑनलाइन मिला क्योंकि ऑफलाइन कुछ काम नहीं कर रहा था. जैद ने मुझे सोशल मीडिया पर डायरेक्ट मैसेज भेजे और हमने 20 दिनों तक यूं ही बातचीत की. फिर उन्होंने शादी का प्रस्ताव रखा.'

हैरी पॉटर, गेम ऑफ थ्रोन्स की फैन हैं कीर्ति

टेलीविजन एक्टर कीर्ति नागपुरे, जो इन दिनों 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन' शो में नजर आ रही हैं, ने किताबें पढ़ने के अपने इंटरेस्ट के बारे में बात की. उन्होंने कहा कि वह शूटिंग के दौरान भी अपनी हॉबी के लिए समय निकाल लेती हैं. वह जे.के. रॉलिंग के हैरी पॉटर सीरीज की फैन हैं. उन्होंने कहा, बचपन से ही मुझे किताबें पढ़ना पसंद है. मैं फिक्शन और माइथोलॉजी पढ़ना पसंद करती हूं. मुझे सच्ची कहानियों पर आधारित नोवेल पढ़ना अच्छा लगता है. इंटरेस्टिंग किताब पढ़कर मुझे खुशी होती है और मैं स्ट्रेस फ्री महसूस करती हूं, भले ही मेरा शूटिंग का शिड्यूल कितना भी व्यस्त क्यों न हो. कभी-कभी मैं टेक के बीच में भी कुछ पढ़ लेती हूं. बहुत कम लोगों को पता है कि मैं हैरी पॉटर की बहुत बड़ी फैन हूं. उन्होंने कहा, मैंने हैरी पॉटर सीरीज और गेम ऑफ थ्रोन सीरीज की सभी किताबें पढ़ी हैं. किताबों के प्रति प्रेम मुझे मेरे माता-पिता से मिला है. बचपन में मेरी किसी भी अचीवमेंट पर मुझे किताब मिलती थी. इससे मुझे काफी नॉलेज मिली है और मेरे पास नोवेल का कलेक्शन बन गया है. उन्होंने बताया कि इन दिनों वह फ्योदर दोस्तोवस्की की किताब क्राइम एंड पनिशमेंट पढ़ रही हैं. उन्होंने कहा, मैं इसे सही मायने में इन्जॉय कर रही हूं. हालांकि मेरे शूटिंग के शिड्यूल के कारण मुझे पढ़ने का ज्यादा समय नहीं मिल पाता है. फिर भी मैं समय निकालने की कोशिश करती हूं और हर दिन कम से कम एकाध चैप्टर पढ़ती हूं. मैं चाहती हूं कि हर इंसान हर महीने कम से कम एक नोवेल पढ़े. इससे सिर्फ आपका नॉलेज और लैंग्वेज स्किल ही नहीं बढ़ता, बल्कि यह आपको जिंदगी का दूसरा पहलू भी दिखाता है.

कार्तिक आर्यन की मां ने कैंसर को दी मात, एक्टर ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

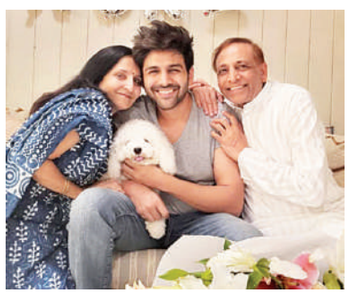

बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर कार्तिक आर्यन इस समय काफी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में एक्टर ने पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है कि उनकी मां कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। कार्तिक ने बताया कि हाल ही में उनका परिवार काफी कठिन दौर से गुजरा था। लेकिन अच्छी खबर ये है कि उनकी मां ने कैंसर को मात दे दी है। उन्होंने इस बीमारी को हरा दिया है। 5 मई को कार्तिक ने अपनी मां, माला तिवारी के साथ अपनी फोटोज शेयर की है। इन फोटोज को शेयर करने के साथ कार्तिक ने इमोशनल कैप्शन भी लिखा है।

शेयर किया इमोशनल पोस्ट

कैप्शन में कार्तिक ने उन दिनों के बारे में शेयर किया है, जब उनका परिवार काफी तकलीफ में था। उन्होंने लिखा 'कुछ समय पहले इस महीने के दौरान बिग सी - कैंसर चुपके से घुस आया और हमारे परिवार के जीवन को तहस-नहस करने की कोशिश की। हम निराशा से थके हुए और असहाय थे। लेकिन इच्छा शक्ति, लचीलापन और कभी हार न मानने वाले रवैये के लिए धन्यवाद। इस भयंकर बीमारी को मेरी मां ने अपने अद्भुत साहस से हरा दिया। मेरी मां ने अपनी पूरी ताकत से इस युद्ध को जीत लिया।' कार्तिक ने इसके आगे लिखा 'इस अंधेरे के दौर से उन्होंने और उनके परिवार ने जो सीखा है, आखिरकार इसने हमें जो सिखाया और हमें हर दिन सिखाता रहता है, वह यह है कि आपके परिवार के प्यार और समर्थन से बड़ी कोई महाशक्ति नहीं है। सुपर हीरो कैंसर वारियर।'

सेलेब्स ने की तारीफ: कार्तिक ने जैसे ही ये पोस्ट शेयर की, उनके फैंस ने उनकी मां की काफी तारीफ की। इतना ही नहीं कई सेलेब्स ने भी उनके साहस की सराहना की। अनुपम खेर ने लिखा 'जय माता दी।' वहीं विक्की कौशल ने दिल वाले इमोजी पोस्ट किए। दर्शन कुमार ने हाथ जोड़े हुए इमोजी शेयर किए। एकता कपूर ने कमेंट में लिखा 'उन्हें ढेर सारा प्यार।' वहीं कार्तिक की फिल्म शहजादा के उनके को एक्टर रोनित रॉय ने लिखा 'भगवान का आशीर्वाद। जाको राखे साइयां मार सके न कोय। प्रणाम, लव और ऑल द बेस्ट टू मैम।'

रणनीति बनाकर करें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

आजकल हर क्षेत्र में प्रतियोगिता का दौर है. आप भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं तो इसकी पूरी रणनीति बनाकर ही तैयारी करें. आप ये टिप्स अपनाकर अपनी तैयारी को और मजबूत कर सकते हैं.

अपनी रुचि को समझें

सरकारी सेवा में कई विकल्प खुले हैं. इसके लिए आप अपनी रुचि को समझें और उसके अनुसार चयन करें. इसके बाद उस नौकरी के लिए विषय की पकड़ मजबूत बनाएं. इससे सफलता की उम्मीद बढ़ जाती हैं.

लक्ष्य तय करें

सरकारी सेवा में जाने वाले सबसे बड़ी गलती यही करते हैं कि वे हर भर्ती में आवेदन करते हैं. यदि हम लक्ष्य बनाकर भर्ती की तैयारी करेंगे को सफलता की संभावना अधिक हो जाती है. इसलिए लक्ष्य बनाकर ही भर्ती की तैयारी करें.

परीक्षा प्रारूप को जानें

जिस भर्ती का लक्ष्य बना लिया है अब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें. इसके बाद सिलेबस, परीक्षा तिथि, योग्यता की जानकारी ले लें. संबंधित भर्ती के ओल्ड पेपर्स को जरूर देखें, ताकि पता चल सके गत वर्षों में प्रश्नपत्रों का पैटर्न किस प्रकार रहा है.

डिजिटल लर्निंग

प्रत्येक भर्ती के लिए ऑफलाइन क्लासें चलती हैं. ऑफलाइन कोचिंग के साथ ही डिजिटल लर्निंग पर फोकस करें. कोर्स का ऐप भी ले सकते हैं, ताकि पढ़ाई अच्छी तरह से हो सके.

आत्मविश्वास रखें

परीक्षा की तैयारी व एग्जॉम हॉल में पूर्ण आत्मविश्वास के साथ जाएं. आप हमेशा यही सोचें कि यह परीक्षा आप हर हाल में

क्लियर कर लेंगे. यदि आपकी तैयारी अच्छी है, लेकिन आत्मविश्वास नहीं है तो एग्जॉम हॉल में प्रश्न का आंसर आते हुए भी छूट सकता है. अति आत्मविश्वास से भी बचें.

नोटस जरूर बनाएं

कोचिंग, डिजिटल लर्निंग के साथ ही आप अपने नोट्स जरूर बनाएं. इससे आपको अच्छी तरह से याद रहेगा. रेफरेंस बुक्स से सिलेबस के अनुसार नोट्स आपकी तैयारी को और मजबूत बना देगा.

गुजरात ने राजस्थान को रौंदा

IPL : लो स्कोरिंग मैच में 9 विकेट से हराया

■ **जयपुर,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. राशिद खान और नूर अहमद की फिरकी के जादू के बाद दमदार बल्लेबाजी से गुजरात टाइटन्स ने आईपीएल मैच में शुक्रवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को 37 गेंद शेष रहते 9 विकेट से शिकस्त देकर तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की. राशिद ने 4 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट चटकाए तो वहीं नूर ने 3 ओवर में 25 रन देकर 2 सफलता हासिल की. मो. शमी, हार्दिक पंड्या और जोश लिटिल ने 1-1 विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करते हुए रिद्धिमान साहा ने 34 गेंद में नाबाद 41 रन बनाए,जबकि हार्दिक ने 15 गेंद की आक्रामक पारी में 3 चौके और इतने ही छक्के की मदद से नाबाद 39 रन बनाए. टीम के लिए सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने 35 गेंद में 36 रन का योगदान दिया.

दबाव झेलने में नाकाम सैमसन की टीम

गुजरात की यह 10 मैचों में 7वीं जीत है और वह तालिका में 14 अंक के साथ शीर्ष पर है. राजस्थान की टीम इतने ही मैचों में 5वीं हार के बाद चौथे स्थान पर है. राजस्थान के लिए कप्तान संजू सैमसन ने 20 गेंद में 3 चौके और एक छक्के की मदद से सबसे ज्यादा 30 रन बनाए. कप्तान के आउट होने के बाद राजस्थान की टीम दबाव में आ गई. टीम ने 15वें ओवर में किसी तरह से रनों का सैकड़ा पूरा किया.

राजस्थान की पारी को 17.5 ओवर में 118 रन पर रोकने के बाद गुजरात ने 13.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया.

वापसी चाहेगा चेन्नई, कोटला को कोहली का इंतजार

आईपीएल में शनिवार को डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे. दोपहर 3.30 बजे चेपॉक मैदान में पिछले तीन मैचों में महज एक अंक बना सकी चेन्नई सुपर किंग्स पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियन्स को हराकर जीत की राह पर लौटना चाहेगी. एमएस धोनी की चेन्नई टीम को डेवोन कॉनवे (414 रन) और रुतुराज गायकवाड़ (354 रन) ने अच्छी शुरुआत दी है लेकिन मध्यक्रम उसका फायदा नहीं उठा सका. दीपक चाहर की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है लेकिन तुषार देशपांडे (17 विकेट, इकोनॉमी रेट 12.11) ने काफी रन दिए हैं. वहीं लय हासिल कर चुकी मुंबई बड़े लक्ष्य का पीछा करने में कामयाब हो रही है. विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने मे हालांकि गेंदबाजों के नाकाम रहने से कप्तान रोहित शर्मा की परेशानी बढी है. सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन के फॉर्म में लौटने से बल्लेबाजी मजबूत हुई है. शाम 7.30 बजे पिछले मैच में चमत्कारिक जीत दर्ज करने वाली दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर आमने-सामने होंगे. इस महत्वपूर्ण मुकाबले में दोनों टीमें कोई कोताही नहीं बरतना चाहेंगी. आरसीबी की स्थिति दिल्ली से बेहतर है लेकिन फाफ डुप्लेसिस की टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगी. कोहली के खेलने से कोटला स्टेडियम खचाखच भरा रहने की उम्मीद है. गेंदबाजी में मो. सिराज और जोश हेजलवुड ने लखनऊ में अच्छा प्रदर्शन किया.

प्री-क्वार्टर फाइनल में हुसामुद्दीन, नवीन

ताशकंद. एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता मो. हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और नवीन कुमार (92 किग्रा) ने आसान जीत के साथ शुक्रवार को यहां आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. दोनों मुक्केबाजों ने सर्वसम्मति से जीत दर्ज की. एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आशीष को हालांकि हार का सामना करना पड़ा. अंतिम-32 मुकाबले में हुसामुद्दीन ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए चीन के ल्यु पिंग को 5-0 से हराया. नवीन को भी दक्षिण कोरिया के ली सेंगमिन के खिलाफ जीत दर्ज करने में अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी. भारतीय मुक्केबाज ने अपनी लंबाई और लंबे हाथों का फायदा उठाते हुए आसान जीत दर्ज की. दूसरी तरफ आशीष को दो बार के ओलंपिक चैंपियन क्यूबा के आर्लेन लोपेज के खिलाफ रिव्यु के बाद 2-5 से हार का सामना करना पड़ा. मौजूदा टूर्नामेंट में कई ओलंपिक पदक विजेताओं सहित 107 देशों के 538 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं.

पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

मेडिकल टीम की सलाह पर जांघ की सर्जरी कराएंगे

राहुल WTC फाइनल से बाहर

■ **दिल्ली,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज केएल राहुल ने शुक्रवार को स्वयं को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से बाहर कर दिया और मेडिकल टीम की सलाह पर उनकी जांघ की सर्जरी होगी. लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान राहुल इस हफ्ते आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ लगी चोट के कारण अनिश्चितकाल के लिए बाहर हो गए हैं. जसप्रीत बुमराह, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत भी चोटों के कारण उपलब्ध नहीं हैं. डब्ल्यूटीसी फाइनल 7 जून से लंदन के 'द ओवल' में खेला जाएगा.

सोशल मीडिया पर व्यक्त की निराशा

राहुल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से कहा कि बेहद निराश हूं कि अगले महीने टीम इंडिया के साथ 'द ओवल' नहीं जा पाऊंगा. भारतीय टीम की जर्सी दोबारा पहनने और अपने देश की मदद करने के लिए जो कर सकता हूं वह करूंगा. यही हमेशा मेरी प्राथमिकता रही है. सतर्कता से विचार और चिकित्सा टीम के साथ सलाह मशविरे के बाद फैसला किया गया है कि मेरी जांघ की जल्द ही सर्जरी होगी. आगामी हफ्तों में मेरा पूरा ध्यान रिहैबिलिटेशन और उबरने पर रहेगा. यह मुश्किल फैसला था लेकिन मुझे पता है कि उबरने के लिए यह सही फैसला है. इस बीच राहुल की आईपीएल फ्रेंचाइजी ने भी कहा कि इस बल्लेबाज के 'टेंडन' में चोट लगी है और उन्हें लंबे समय तक बाहर रहना पड़ सकता है. परीक्षणों और स्कैन ने दुर्भाग्य से उनके टेंडन में चोट की पुष्टि की है जिसके लिए सर्जरी करानी होगी. हम इस मुश्किल समय में राहुल को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं और उसके उबरने की राह पर उसकी सबसे अच्छी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए उसके साथ काम कर रहे हैं. हालांकि चोट का मतलब है कि वह लंबे समय तक बाहर रह सकता है जिसमें आईपीएल का बाकी बचा सत्र भी शामिल है.

लखनऊ टीम की हौसला अफजाई करूंगा

राहुल ने कहा कि टीम के कप्तान के रूप में मुझे इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान वहां (टीम के साथ) नहीं होने के कारण बहुत पीड़ा होती है लेकिन मुझे विश्वास है कि लड़के हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे. मैच देख रहे आप लोगों के साथ मैं मैदान के बाहर से उनकी हौसला अफजाई करूंगा. मैं अपने हर प्रशंसक का आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे वापसी करने की ताकत दी, लखनऊ प्रबंधन और बीसीसीआई को उनकी मुस्तैदी के लिए और मेरे साथियों को इस कठिन समय में उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं. राहुल ने कहा कि मैं आप सभी को अपनी प्रगति के बारे में अपडेट रखने का वादा करता हूं और जल्द से जल्द मैदान पर वापस आने की उम्मीद करता हूं.

तीरंदाजी : भारत 14 पदकों के साथ शीर्ष पर

■ **ताशकंद,** एजेंसियां. भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने एशिया कप चरण 2 विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट में अपना दबदबा कायम करते हुए सभी 14 पदक अपने नाम किए जिससे शुक्रवार को देश ने 7 स्वर्ण, 5 रजत और 2 कांस्य के साथ शीर्ष स्थान के साथ अपना अभियान खत्म किया. कंपाउंड तीरंदाजों ने पुरुष और महिला वर्ग में सूपड़ा साफ करते हुए 5 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य जीते. भारतीय

तीरंदाज सभी 10 स्वर्ण पदक जीतने की दौड़ में थे लेकिन रिकर्व तीरंदाज तीन फाइनल हार गए. भारतीय तीरंदाजों को यह शिकस्त चीन के तीरंदाजों से मिली. इस हार के बाद भी भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा. टूर्नामेंट में कोरिया ने हिस्सा नहीं लिया था जिससे भारत और चीन के तीरंदाजों को ज्यादा चुनौती नहीं मिली.

5वें स्थान पर रहीं मीराबाई

भारोत्तोलक एशियाई चैंपियनशिप

■ **जिन्जू,** एजेंसियां. भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का एशियाई चैंपियनशिप में अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और शुक्रवार को यहां स्नैच

में जूझने तथा क्लीन एंड जर्क में अंतिम 2 प्रयास नहीं करने के कारण वह 5वें स्थान पर रहीं. टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करते हुए स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 109 किग्रा के साथ कुल 194 किग्रा वजन ही उठा सकीं जो 207 किग्रा के उनके निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से 13 किग्रा कम है. मीराबाई ने पिछली बार 2021 में एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था और तब क्लीन एंड जर्क में विश्व रिकॉर्ड (119 किग्रा) से कांस्य पदक जीतकर लौटी थीं. चीन की जियांग हुइहुआ ने कुल 207 किग्रा (94 किग्रा और 113 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता. टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता हाउ झीहुई कुल 204 किग्रा (93 किग्रा और 111 किग्रा) वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं जबकि थाईलैंड की सेरोदचाना खामबाओ ने 200 किग्रा (90 किग्रा और 110 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया. मौजूदा चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में शामिल है जहां टोक्यो खेलों की 14 की तुलना में भारोत्तोलन की 10 स्पर्धाएं होंगी.

मैड्रिड ओपन | 8वीं वरीय गोंजालेस और वेसलीन को हराया

फाइनल में बोपन्ना-एबडेन

■ **मैड्रिड,** एजेंसियां. भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन ने सैंटियगो गोंजालेस और एडुअर्ड रोजर वेसलीन को हराकर मैड्रिड ओपन पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश किया. 43 वर्षीय बोपन्ना और 35 वर्षीय एबडेन ने 8वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 5-7, 6-3, 10-4 से हराकर सत्र के दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में प्रवेश किया. 7वीं वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन का सामना अब रूस के कारेन खाचानोव और आंद्रे रूबलेव से होगा. खाचानोव और रूबलेव ने फ्रेंच ओपन चैंपियन मार्सेलो अरेवालो और जीन जूलियन रोजर को 6-4, 6-4 से हराया. बोपन्ना ने मार्च में एबडेन के साथ बीएनपी परीबस ओपन जीतकर इतिहास रच दिया था चूंकि वह एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले

सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने. फरवरी में उन्होंने कतर ओपन भी जीता था.

स्ट्रफ ने सिटसिपास को हराया

'लकी लूजर' जान लेनार्ड स्ट्रफ ने चौथी वरीयता प्राप्त ग्रीस के स्टेफानोस सिटसिपास पर 7-6, 5-7, 6-3 से अप्रत्याशित जीत दर्ज करके मैड्रिड ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. पिछले सप्ताह क्वालीफाइंग दौर का आखिरी मुकाबला असलान कारात्सेव से हारने वाले स्ट्रफ को 'लकी लूजर' के रूप में मुख्य ड्रॉ में प्रवेश मिला. अब सेमीफाइनल में उनका सामना फिर कारात्सेव से ही होगा जिन्होंने चीन के झांग झिजेन को 7-6, 6-4 से हराया. वह किसी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले तीसरे लकी लूजर हैं. पुरुष वर्ग में दूसरे सेमीफाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्कारेज का सामना बोरना कोरिच से होगा.

स्वियातेक, सबालेंका में खिताबी भिड़ंत

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी इगा स्वियातेक और दूसरे नंबर की खिलाड़ी एरिना सबालेंका फाइनल में पहुंच गईं. 2 सप्ताह पहले स्टटगार्ट फाइनल में भी दोनों का सामना हुआ था जिसमें स्वियातेक जीती थीं. किसी डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में 2014 मियामी ओपन के बाद पहली बार 2 शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी पहुंची हैं. उस समय नंबर-1 खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने दूसरी रैंकिंग वाली लि ना को हराया था.

फुटबॉल की राह पर क्रिकेट : शास्त्री

■ **दिल्ली,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दुनियाभर में टी20 लीगों की बढ़ती संख्या से द्विपक्षीय क्रिकेट खासकर वनडे प्रारूप को नुकसान हो रहा है और सभी फ्रेंचाइजी

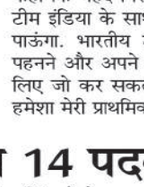

का झुकाव खिलाड़ियों को दीर्घकालीन अनुबंध देने पर है. शास्त्री ने कहा कि क्रिकेट फुटबॉल की राह पर जा रहा है और भविष्य में खिलाड़ी सिर्फ वैश्विक टूर्नामेंट ही खेलना चाहेंगे. मैंने हमेशा कहा है कि द्विपक्षीय सीरीज को नुकसान होगा. दुनियाभर में जिस तरह से लीग की संख्या बढ़ रही हैं, यह फुटबॉल की राह पर जा रहा है. उन्होंने कहा कि टीमें विश्व कप से पहले एकत्र होंगी. थोड़ा-बहुत द्विपक्षीय क्रिकेट खेलेंगी. क्लब टीमों को छोड़ेंगे जो विश्व कप खेलेंगे. आपको पसंद आए या नहीं लेकिन ऐसा ही होगा. मुझे इसमें कोई बुराई नहीं लगती. लेकिन 50 ओवरों के क्रिकेट को नुकसान होगा. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के देश के लिए खेलने पर क्लब को तरजीह देने के बारे में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह चलन और बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि देश में 1 अरब 40 करोड़ लोग हैं और सिर्फ 11 ही देश के लिए खेल सकते हैं. फिर बाकी क्या करेंगे. उन्हें इस फ्रेंचाइजी क्रिकेट के जरिए दुनियाभर में खेलने का मौका मिल रहा है तो वह क्यों नहीं खेलेंगे. यह उनकी आजीविका है.

गुजरात ने राजस्थान को रौंदा

IPL : लो स्कोरिंग मैच में 9 विकेट से हराया

■ **जयपुर,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. राशिद खान और नूर अहमद की फिरकी के जादू के बाद दमदार बल्लेबाजी से गुजरात टाइटन्स ने आईपीएल मैच में शुक्रवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को 37 गेंद शेष रहते 9 विकेट से शिकस्त देकर तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की. राशिद ने 4 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट चटकाए तो वहीं नूर ने 3 ओवर में 25 रन देकर 2 सफलता हासिल की. मो. शमी, हार्दिक पंड्या और जोश लिटिल ने 1-1 विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करते हुए रिद्धिमान साहा ने 34 गेंद में नाबाद 41 रन बनाए,जबकि हार्दिक ने 15 गेंद की आक्रामक पारी में 3 चौके और इतने ही छक्के की मदद से नाबाद 39 रन बनाए. टीम के लिए सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने 35 गेंद में 36 रन का योगदान दिया.

दबाव झेलने में नाकाम सैमसन की टीम

गुजरात की यह 10 मैचों में 7वीं जीत है और वह तालिका में 14 अंक के साथ शीर्ष पर है. राजस्थान की टीम इतने ही मैचों में 5वीं हार के बाद चौथे स्थान पर है. राजस्थान के लिए कप्तान संजू सैमसन ने 20 गेंद में 3 चौके और एक छक्के की मदद से सबसे ज्यादा 30 रन बनाए. कप्तान के आउट होने के बाद राजस्थान की टीम दबाव में आ गई. टीम ने 15वें ओवर में किसी तरह से रनों का सैकड़ा पूरा किया.

राजस्थान की पारी को 17.5 ओवर में 118 रन पर रोकने के बाद गुजरात ने 13.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया.

वापसी चाहेगा चेन्नई, कोटला को कोहली का इंतजार

आईपीएल में शनिवार को डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे. दोपहर 3.30 बजे चेपॉक मैदान में पिछले तीन मैचों में महज एक अंक बना सकी चेन्नई सुपर किंग्स पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियन्स को हराकर जीत की राह पर लौटना चाहेगी. एमएस धोनी की चेन्नई टीम को डेवोन कॉनवे (414 रन) और रुतुराज गायकवाड़ (354 रन) ने अच्छी शुरुआत दी है लेकिन मध्यक्रम उसका फायदा नहीं उठा सका. दीपक चाहर की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है लेकिन तुषार देशपांडे (17 विकेट, इकोनॉमी रेट 12.11) ने काफी रन दिए हैं. वहीं लय हासिल कर चुकी मुंबई बड़े लक्ष्य का पीछा करने में कामयाब हो रही है. विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने मे हालांकि गेंदबाजों के नाकाम रहने से कप्तान रोहित शर्मा की परेशानी बढी है. सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन के फॉर्म में लौटने से बल्लेबाजी मजबूत हुई है. शाम 7.30 बजे पिछले मैच में चमत्कारिक जीत दर्ज करने वाली दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर आमने-सामने होंगे. इस महत्वपूर्ण मुकाबले में दोनों टीमें कोई कोताही नहीं बरतना चाहेंगी. आरसीबी की स्थिति दिल्ली से बेहतर है लेकिन फाफ डुप्लेसिस की टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगी. कोहली के खेलने से कोटला स्टेडियम खचाखच भरा रहने की उम्मीद है. गेंदबाजी में मो. सिराज और जोश हेजलवुड ने लखनऊ में अच्छा प्रदर्शन किया.

प्री-क्वार्टर फाइनल में हुसामुद्दीन, नवीन

ताशकंद. एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता मो. हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और नवीन कुमार (92 किग्रा) ने आसान जीत के साथ शुक्रवार को यहां आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. दोनों मुक्केबाजों ने सर्वसम्मति से जीत दर्ज की. एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आशीष को हालांकि हार का सामना करना पड़ा. अंतिम-32 मुकाबले में हुसामुद्दीन ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए चीन के ल्यु पिंग को 5-0 से हराया. नवीन को भी दक्षिण कोरिया के ली सेंगमिन के खिलाफ जीत दर्ज करने में अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी. भारतीय मुक्केबाज ने अपनी लंबाई और लंबे हाथों का फायदा उठाते हुए आसान जीत दर्ज की. दूसरी तरफ आशीष को दो बार के ओलंपिक चैंपियन क्यूबा के आर्लेन लोपेज के खिलाफ रिव्यु के बाद 2-5 से हार का सामना करना पड़ा. मौजूदा टूर्नामेंट में कई ओलंपिक पदक विजेताओं सहित 107 देशों के 538 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं.

पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

मेडिकल टीम की सलाह पर जांघ की सर्जरी कराएंगे

राहुल WTC फाइनल से बाहर

■ **दिल्ली,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज केएल राहुल ने शुक्रवार को स्वयं को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से बाहर कर दिया और मेडिकल टीम की सलाह पर उनकी जांघ की सर्जरी होगी. लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान राहुल इस हफ्ते आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ लगी चोट के कारण अनिश्चितकाल के लिए बाहर हो गए हैं. जसप्रीत बुमराह, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत भी चोटों के कारण उपलब्ध नहीं हैं. डब्ल्यूटीसी फाइनल 7 जून से लंदन के 'द ओवल' में खेला जाएगा.

सोशल मीडिया पर व्यक्त की निराशा

राहुल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से कहा कि बेहद निराश हूं कि अगले महीने टीम इंडिया के साथ 'द ओवल' नहीं जा पाऊंगा. भारतीय टीम की जर्सी दोबारा पहनने और अपने देश की मदद करने के लिए जो कर सकता हूं वह करूंगा. यही हमेशा मेरी प्राथमिकता रही है. सतर्कता से विचार और चिकित्सा टीम के साथ सलाह मशविरे के बाद फैसला किया गया है कि मेरी जांघ की जल्द ही सर्जरी होगी. आगामी हफ्तों में मेरा पूरा ध्यान रिहैबिलिटेशन और उबरने पर रहेगा. यह मुश्किल फैसला था लेकिन मुझे पता है कि उबरने के लिए यह सही फैसला है. इस बीच राहुल की आईपीएल फ्रेंचाइजी ने भी कहा कि इस बल्लेबाज के 'टेंडन' में चोट लगी है और उन्हें लंबे समय तक बाहर रहना पड़ सकता है. परीक्षणों और स्कैन ने दुर्भाग्य से उनके टेंडन में चोट की पुष्टि की है जिसके लिए सर्जरी करानी होगी. हम इस मुश्किल समय में राहुल को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं और उसके उबरने की राह पर उसकी सबसे अच्छी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए उसके साथ काम कर रहे हैं. हालांकि चोट का मतलब है कि वह लंबे समय तक बाहर रह सकता है जिसमें आईपीएल का बाकी बचा सत्र भी शामिल है.

लखनऊ टीम की हौसला अफजाई करूंगा

राहुल ने कहा कि टीम के कप्तान के रूप में मुझे इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान वहां (टीम के साथ) नहीं होने के कारण बहुत पीड़ा होती है लेकिन मुझे विश्वास है कि लड़के हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे. मैच देख रहे आप लोगों के साथ मैं मैदान के बाहर से उनकी हौसला अफजाई करूंगा. मैं अपने हर प्रशंसक का आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे वापसी करने की ताकत दी, लखनऊ प्रबंधन और बीसीसीआई को उनकी मुस्तैदी के लिए और मेरे साथियों को इस कठिन समय में उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं. राहुल ने कहा कि मैं आप सभी को अपनी प्रगति के बारे में अपडेट रखने का वादा करता हूं और जल्द से जल्द मैदान पर वापस आने की उम्मीद करता हूं.

तीरंदाजी : भारत 14 पदकों के साथ शीर्ष पर

■ **ताशकंद,** एजेंसियां. भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने एशिया कप चरण 2 विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट में अपना दबदबा कायम करते हुए सभी 14 पदक अपने नाम किए जिससे शुक्रवार को देश ने 7 स्वर्ण, 5 रजत और 2 कांस्य के साथ शीर्ष स्थान के साथ अपना अभियान खत्म किया. कंपाउंड तीरंदाजों ने पुरुष और महिला वर्ग में सूपड़ा साफ करते हुए 5 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य जीते. भारतीय

तीरंदाज सभी 10 स्वर्ण पदक जीतने की दौड़ में थे लेकिन रिकर्व तीरंदाज तीन फाइनल हार गए. भारतीय तीरंदाजों को यह शिकस्त चीन के तीरंदाजों से मिली. इस हार के बाद भी भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा. टूर्नामेंट में कोरिया ने हिस्सा नहीं लिया था जिससे भारत और चीन के तीरंदाजों को ज्यादा चुनौती नहीं मिली.

5वें स्थान पर रहीं मीराबाई

भारोत्तोलक एशियाई चैंपियनशिप

■ **जिन्जू,** एजेंसियां. भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का एशियाई चैंपियनशिप में अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और शुक्रवार को यहां स्नैच

में जूझने तथा क्लीन एंड जर्क में अंतिम 2 प्रयास नहीं करने के कारण वह 5वें स्थान पर रहीं. टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करते हुए स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 109 किग्रा के साथ कुल 194 किग्रा वजन ही उठा सकीं जो 207 किग्रा के उनके निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से 13 किग्रा कम है. मीराबाई ने पिछली बार 2021 में एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था और तब क्लीन एंड जर्क में विश्व रिकॉर्ड (119 किग्रा) से कांस्य पदक जीतकर लौटी थीं. चीन की जियांग हुइहुआ ने कुल 207 किग्रा (94 किग्रा और 113 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता. टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता हाउ झीहुई कुल 204 किग्रा (93 किग्रा और 111 किग्रा) वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं जबकि थाईलैंड की सेरोदचाना खामबाओ ने 200 किग्रा (90 किग्रा और 110 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया. मौजूदा चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में शामिल है जहां टोक्यो खेलों की 14 की तुलना में भारोत्तोलन की 10 स्पर्धाएं होंगी.

मैड्रिड ओपन | 8वीं वरीय गोंजालेस और वेसलीन को हराया

फाइनल में बोपन्ना-एबडेन

■ **मैड्रिड,** एजेंसियां. भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन ने सैंटियगो गोंजालेस और एडुअर्ड रोजर वेसलीन को हराकर मैड्रिड ओपन पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश किया. 43 वर्षीय बोपन्ना और 35 वर्षीय एबडेन ने 8वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 5-7, 6-3, 10-4 से हराकर सत्र के दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में प्रवेश किया. 7वीं वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन का सामना अब रूस के कारेन खाचानोव और आंद्रे रूबलेव से होगा. खाचानोव और रूबलेव ने फ्रेंच ओपन चैंपियन मार्सेलो अरेवालो और जीन जूलियन रोजर को 6-4, 6-4 से हराया. बोपन्ना ने मार्च में एबडेन के साथ बीएनपी परीबस ओपन जीतकर इतिहास रच दिया था चूंकि वह एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले

सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने. फरवरी में उन्होंने कतर ओपन भी जीता था.

स्ट्रफ ने सिटसिपास को हराया

'लकी लूजर' जान लेनार्ड स्ट्रफ ने चौथी वरीयता प्राप्त ग्रीस के स्टेफानोस सिटसिपास पर 7-6, 5-7, 6-3 से अप्रत्याशित जीत दर्ज करके मैड्रिड ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. पिछले सप्ताह क्वालीफाइंग दौर का आखिरी मुकाबला असलान कारात्सेव से हारने वाले स्ट्रफ को 'लकी लूजर' के रूप में मुख्य ड्रॉ में प्रवेश मिला. अब सेमीफाइनल में उनका सामना फिर कारात्सेव से ही होगा जिन्होंने चीन के झांग झिजेन को 7-6, 6-4 से हराया. वह किसी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले तीसरे लकी लूजर हैं. पुरुष वर्ग में दूसरे सेमीफाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्कारेज का सामना बोरना कोरिच से होगा.

स्वियातेक, सबालेंका में खिताबी भिड़ंत

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी इगा स्वियातेक और दूसरे नंबर की खिलाड़ी एरिना सबालेंका फाइनल में पहुंच गईं. 2 सप्ताह पहले स्टटगार्ट फाइनल में भी दोनों का सामना हुआ था जिसमें स्वियातेक जीती थीं. किसी डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में 2014 मियामी ओपन के बाद पहली बार 2 शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी पहुंची हैं. उस समय नंबर-1 खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने दूसरी रैंकिंग वाली लि ना को हराया था.

फुटबॉल की राह पर क्रिकेट : शास्त्री

■ **दिल्ली,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दुनियाभर में टी20 लीगों की बढ़ती संख्या से द्विपक्षीय क्रिकेट खासकर वनडे प्रारूप को नुकसान हो रहा है और सभी फ्रेंचाइजी

का झुकाव खिलाड़ियों को दीर्घकालीन अनुबंध देने पर है. शास्त्री ने कहा कि क्रिकेट फुटबॉल की राह पर जा रहा है और भविष्य में खिलाड़ी सिर्फ वैश्विक टूर्नामेंट ही खेलना चाहेंगे. मैंने हमेशा कहा है कि द्विपक्षीय सीरीज को नुकसान होगा. दुनियाभर में जिस तरह से लीग की संख्या बढ़ रही हैं, यह फुटबॉल की राह पर जा रहा है. उन्होंने कहा कि टीमें विश्व कप से पहले एकत्र होंगी. थोड़ा-बहुत द्विपक्षीय क्रिकेट खेलेंगी. क्लब टीमों को छोड़ेंगे जो विश्व कप खेलेंगे. आपको पसंद आए या नहीं लेकिन ऐसा ही होगा. मुझे इसमें कोई बुराई नहीं लगती. लेकिन 50 ओवरों के क्रिकेट को नुकसान होगा. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के देश के लिए खेलने पर क्लब को तरजीह देने के बारे में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह चलन और बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि देश में 1 अरब 40 करोड़ लोग हैं और सिर्फ 11 ही देश के लिए खेल सकते हैं. फिर बाकी क्या करेंगे. उन्हें इस फ्रेंचाइजी क्रिकेट के जरिए दुनियाभर में खेलने का मौका मिल रहा है तो वह क्यों नहीं खेलेंगे. यह उनकी आजीविका है.

हिलव्यू समाचार

देश-विदेश

जयपुर, रविवार, 07 मई 2023

एक नज़र

ट्रंप गुप्त भुगतान के मामले में अदालत में नहीं हुए पेश

न्यूयार्क, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कथित गुप्त भुगतान मामले में सुनवाई के लिए गुरुवार को अदालत में पेश नहीं हुए। यह जानकारी बचाव पक्ष के वकील गेडालिया स्टर्न ने दी। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार श्री ट्रम्प को गुरुवार सुबह न्यूयॉर्क शीर्ष अदालत में पेश होना था। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प पर अप्रैल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान वयस्क फिल्म अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ एक कथित संबंध से जुड़े 130,000 डॉलर के गुप्त भुगतान और फर्जी व्यापार रिकॉर्ड के 34 मामले दर्ज किए हैं। अभियोजकों ने श्री ट्रम्प पर चुनाव में हिंसा और कर कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

सूडान की सेना सात दिन के संघर्ष विराम पर सहमत

खार्तूम, (एजेंसी)। सूडान के सशस्त्र बलों ने पूर्वी अफ्रीका में विकास पर अंतर सरकारी प्राधिकरण (आइजीएडी) के प्रस्तावित चार से 11 मई (सात दिन) के मानवीय संघर्ष विराम पर सहमति दे दी है। सेना ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सशस्त्र बलों ने महाद्वीप की समस्याओं के अफ्रीकी समाधान के सिद्धांत के आधार पर और मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आइजीएडी के प्रस्ताव पर अपनी सहमति व्यक्त की है। सूडान सेना अमेरिका-सऊदी युद्धविराम पहल पर भी विचार कर रही है। सेना ने कहा कि हमें आशा है कि प्रतिद्वंद्वी रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) प्रस्तावित संघर्ष विराम की आवश्यकताओं का सम्मान करेंगे। सूडानी सशस्त्र बलों और आरएसएफ के नेताओं ने चार से 11 मई तक संघर्ष विराम पर सहमति व्यक्त की है। सेना के प्रमुख अब्देल फतह अल बुरहान और आरएसएफ नेता मोहम्मद हमदान दगालो ने बातचीत के लिए प्रतिनिधियों के नाम पर सहमति दी।

नाटो एशिया के जापान में खोलेगा पहला ऑफिस

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका की अगुवाई वाले सैन्य संगठन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के एक फैसले से चीन की चिंता बढ़ गई है। खबर है कि नाटो जल्द ही जापान में अपना दफ्तर खोलने जा रहा है। यह एशिया में नाटो का पहला ऑफिस होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार इस कार्यालय के जरिए नाटो को जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे प्रमुख भागीदार देशों के साथ समय-समय पर विचार-विमर्श करने में मदद मिलेगी। ये वही देश हैं, जिनके समक्ष चीन की बढ़ती ताकत से खतरा बना हुआ है, लेकिन चीन ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि जियोपॉलिटिकल प्रतिस्पर्धा के लिए एशिया को अखाड़ा नहीं बनने देना चाहिए। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि बीजिंग इसके पक्ष में नहीं है। इससे क्षेत्र में शांति और स्थिरता को कमतर करेगा और इससे टकराव बढ़ेगा।

पावागढ़ में छत का हिस्सा गिरा, एक श्रद्धालु की मौत

पंचमहल, (एजेंसी)। गुजरात के पंचमहल जिले में पावागढ़ काली मंदिर के फिर से बनाए गए नए परिसर का एक हिस्सा गुरुवार दोपहर को भारी बारिश के दौरान गिर गया। इस हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई और दो नाबालिगों समेत कम से कम नौ श्रद्धालु घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक मंदिर के नए परिसर के माची के रास्ते में पत्थरों से बने धनुषाकार गज़ेबो का एक हिस्सा अचानक ढह गया था। पुलिस ने मृतक श्रद्धालु की पहचान गंगा देवीपूजक (40) के रूप में की है। घायलों को पहले हलोल रेफरल अस्पताल ले जाया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन सबको वडोदरा रेफर कर दिया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है। कुछ घायलों की पहचान 21 साल के मीना पलाश और राजवंश देवीपूजक, 18 साल के सुमित्रा राठवा, 25 साल के विजय भाईलाल देवीपूजक, 5 साल के मारी विजय देवीपूजक, 28 साल के दीपक देवीपूजक, 30 साल के सोनल देवीपूजक और 2 साल के दक्ष देवीपूजक के रूप में हुई है।

इतिहास

- **1479:** सिखों के तीसरे गुरु अमरदास का जन्म।
- **1836:** बेल्जियम में यूरोप की पहली रेल लाईन शुरू हुई।
- **1883:** सुरेन्द्र नाथ बनर्जी जेल जाने वाले पहले पत्रकार बने।
- **1916:** भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का जन्म।
- **1919:** पेरिस में रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना।
- **1926:** पहली बार जर्मनी में आइंसटीन की फिल्म बैटलशिप पोटेमकिन दिखाई ।
- **1932:** जापान और चीन ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **1936:** इटली के सैनिकों ने इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पर कब्जा।
- **1937:** परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक मेजर होशियार सिंह का जन्म।

पाक ने विदेशी मंचों पर छोड़ा राग-ए -कश्मीर

एससीओ में शामिल होने गोवा पहुंचे बिलावल भुट्टो का सत्कार

पणजी ■ एजेंसी

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भारत आए हैं। वह गुरुवार दोपहर को गोवा पहुंचे, जहां शंघाई सहयोग संगठन की मीटिंग में हिस्सा लेंगे। बीते 12 सालों में यह पहला मौका है, जब पाकिस्तान का कोई विदेश मंत्री भारत आया है।

एससीओ मीटिंग से इतर भारत और पाकिस्तान के नेताओं के बीच कोई बातचीत होगी, इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वह गुरुवार को कराची से गोवा पहुंचे और उन्हें ताज एग्जॉटिका फाइव स्टार होटल में ठहराया गया है। पाकिस्तानी मंत्री का स्वागत एयरपोर्ट पर जॉइंट सेक्रेटरी जेपी सिंह ने किया, जो विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान डेस्क का नेतृत्व करते हैं।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ओर से गुरुवार शाम को ही एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों के लिए डिनर का आयोजन किया गया जिसमें जयशंकर ने बुलावल भुट्टो का हाथ मिलाकर स्वागत किया।

इसके अलावा एक सांस्कृति कार्यक्रम भी हुआ इसमें भी बिलावल भुट्टो जरदारी ने हिस्सा लिया। बिलावल भुट्टो के भारत आने को पाकिस्तान के एजेंडे में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। अब तक उसकी ओर से कश्मीर के मुद्दे की आड़ लेकर अहम मंचों से दूरी बनाई जाती रही थी। वहीं भारत ने आतंकवाद खत्म हुए बिना बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में पाकिस्तान का कश्मीर राग छोड़कर भारत आना बड़े बदलाव का संकेत है।

जयशंकर से मिले क्विन गांग

पणजी, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को चीन के अपने समकक्ष किन गांग के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की जिसमें समझा जाता है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी विवाद का विषय प्रमुख रहा। यह बैठक संघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) की बैठक से इतर तटीय रिसॉर्ट में हुई। बैठक से पहले जानकारी सूत्रों ने बताया कि पूर्वी लद्दाख में तीन वर्षों से जारी सीमा विवाद बातचीत के केंद्र में रहेगा। जयशंकर और गांग की पिछले दो महीनों में यह दूसरी मुलाकात है।

पाक जाएंगे चीनी विदेश मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गोवा में एससीओ के विदेश मंत्रियों की मीटिंग चल रही है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए चीनी विदेश मंत्री किन गैंग, रूसी विदेश मंत्री लावरोव पहुंच चुके हैं। इसके अलावा पाक विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भी कराची से सीधे गोवा पहुंचे। इस बीच खबर है कि चीनी विदेश किन गैंग गोवा में एससीओ समिट से निकलकर सीधे पाकिस्तान पहुंचेंगे।

कर्नाटक में छोटे दलों की हलचल

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव एकबार फिर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की नाक का सवाल बना हुआ है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी के लिए कांटे की टक्कर वाला होगा। इस चुनाव में छोटी पार्टियां अहम किरदार निभाएंगी। कांग्रेस के घोषणा पत्र की भाजपा ने प्रतियां जलाई।

कांग्रेस के घोषणा पत्र की भाजपा ने जलाई प्रतियां

बता दें कि एक ओर जहां कांग्रेस पार्टी देश में सिमटती अपनी साख को बचाने में जीजान से जुटी है वहीं भाजपा एक बार फिर कर्नाटक में अपनी वापसी को लेकर मैदान में उतरने को तैयार है। लेकिन राजनीति जानकारों का मानना है कि भाजपा, कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) का खेल बिगाड़ सकती हैं छोटी पार्टियां। 224 विधानसभा सदस्यों वाली कर्नाटक में भाजपा, कांग्रेस और जनता दल तीन पार्टियां ही प्रमुख दावेदार मानी जा रही हैं। लेकिन आप, कम्युनिस्ट पार्टी यहां तक की कर्नाक जनता पक्ष भी यहां की राजनीति में बड़ा नाम हैं जो भाजपा के आंकड़े में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

'कर्नाटक की अर्जुन' बने जनता, भविष्य पर वोट करें

कनकगिरि, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को पीएम नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वो कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार में सिर्फ इधर-उधर की बातें कर रहे हैं, लेकिन '40 प्रतिशत कमीशन सरकार' के भ्रष्टाचार और जनता के काम की बात नहीं करते। उन्होंने कोप्पल कनकगिरि इलाके में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोगों का आह्वान किया कि वो 'कर्नाटक के अर्जुन बन जाएं' और सिर्फ अपने भविष्य को लक्ष्य बनाकर वोट करें।

शिमला ननि चुनाव में कांग्रेस की स्पष्ट जीत

शिमला, (एजेंसी)। शिमला नगर निगम चुनाव में गुरुवार को कांग्रेस ने जीत का परचम लहरा दिया। नगर निगम के 34 वार्डों के लिए दो मई को मतदान हुआ था तथा 102 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके है। कांग्रेस ने 24 वार्डों में जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नौ और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक वार्ड में जीत हासिल की।

राज्य चुनाव आयोग की ओर से गुरुवार को नगर निगम शिमला के चुनाव परिणाम घोषित किए गए हैं। इसके लिए सुबह 10 बजे से मतगणना की गई। आयोग के जारी परिणाम में कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के हाथ से सत्ता चली गई है।

कुछ वार्डों में रोचक नतीजे आए हैं। कांग्रेस और भाजपा के कुछ दिग्गज चुनाव हार गए हैं। भाजपा की मेयर रही सत्या कौंडल को इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। संजौली चौक से कांग्रेस की ममता चंदेल ने पूर्व मेयर एवं भाजपा उम्मीदवार सत्या कौंडल को 196 मतों से हराया। कांग्रेस से बागी होकर कृष्णानगर वार्ड से निर्दलीय लड़े पूर्व मेयर सोहन लाल भी चुनाव हार गए हैं।

कांग्रेस की धमाकेदार जीत के बावजूद वार्ड नम्बर-1 भराड़ी वार्ड से शिमला शहरी कांग्रेस के अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी को भी हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुई मीना चौहान ने उन्हें 382 मतों के बड़े अंतर से हराया।

प्रयागराज में कम मतदान, नाम हटे

प्रयागराज, (ब्यूरो)। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण में प्रयागराज नगर निगम और नगर पंचायतों में मतदान शांतिपूर्ण निपट तो गया लेकिन नगर निगम क्षेत्र में मतदान फीसदी सिर्फ 31.46 ही पहुंच पाया है।

इसका बड़ा कारण शहरी क्षेत्र में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से नदारद मिले। कई कॉलोनियों में सैकड़ों मतदाता सूची से गायब मिले। शांतिपुरम के सेक्टर-ए में करीब 250 मतदाताओं में से महज 60 वोट सूची में मिले।

पाक के पूर्व पीएम इमरान का पैर टूटा

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का पैर एक बार फिर से फ्रैक्चर हो गया है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का कहना है कि लाहौर हाईकोर्ट में धक्का-मुक्की के दौरान इमरान खान का पैर टूट गया।

पीटीआई पार्टी के सांसद शिबली फराज ने बताया कि लाहौर हाईकोर्ट में मंगलवार को पेशी के दौरान हुई हाथापाई की वजह से इमरान खान का पैर फ्रैक्चर हो गया। डॉक्टरों ने उन्हें 10 दिनों तक आराम की सलाह दी है। उन्होंने शहबाज सरकार पर सुरक्षा इंतजाम नहीं करने का आरोप लगाया।

कार्यकर्ताओं की मांग का सम्मान होगा : शरद पवार

मुंबई, (एजेंसी)। शरद पवार के राकांपा अध्यक्ष पद से इस्तीफे का पार्टी कार्यकर्ता लगातार विरोध कर रहे हैं। इस पर पवार ने गुरुवार को कहा कि कार्यकर्ताओं की मांग का सम्मान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे दुख है कि कार्यकर्ताओं से बिना बात किए ही मैंने इस्तीफा दे दिया। अब शुक्रवार को 15 सदस्यीय कमेटी जो फैसला लेगी, मुझे मंजूर होगा। इधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भी उनसे फैसला वापस लेने की अपील की थी। एनसीपी सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को शरद पवार के इस्तीफे के ऐलान के कुछ घंटों के अंदर ही दोनों ने सुप्रिया सुले को फोन करके यह बात कही थी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राहुल, स्टालिन दोनों ही यह जानना चाहते थे कि पवार ने पार्टी अध्यक्ष का पद छोड़ने का फैसला क्यों किया है। दोनों नेताओं ने पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले को फोन करके कहा था कि वे अपने पिता को इस्तीफा वापस लेने मनाएं।

कमेटी जो फैसला लेगी वह मुझे मंज़ूर

उद्धव शिवसेना ने बताया सुप्रिया हों राकांपा अध्यक्ष

मुंबई,(एजेंसी)। शरद पवार के इस्तीफे के बाद एनसीपी का अध्यक्ष कौन होगा इसको लेकर पूरे महाराष्ट्र में चर्चा चल रही है। एनसीपी का अध्यक्ष

बनने की रेस में सुप्रिया सुले और अजित पवार का नाम चर्चा में है लेकिन अभी तक कुछ साफ नहीं है, क्योंकि शरद पवार ने अंतिम फैसला लेने के लिए दो-तीन दिनों का वक्त मांगा है। एनसीपी का नया अध्यक्ष किसे बनाया जाए इसको लेकर शिवसेना की अपनी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखे संपादकीय में उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को परोक्ष तौर पर एनसीपी के नए अध्यक्ष के लिए सुप्रिया सुले के नाम की पैरवी की।

पवार के इस्तीफे के बाद एक्टिव हुए जयंत पाटिलः इसी बीच एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पवार के इस्तीफे को लेकर पार्टी के विधायकों और पूर्व विधायकों से रायशुमारी शुरू कर दी है। जयंत पाटिल महाराष्ट्र राज्य के नेताओं के अलावा देश के दूसरे राज्य के पदाधिकारियों से भी उनकी राय जानने की कोशिश कर रहे हैं।

सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट हो गए घायल, एक अन्य की मौत

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में गुरुवार को मड़वा नदी के किनारे सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार दो पायलट घायल हो गए और एक वायुसेनाकर्मी की मौत हो गई। सेना की उत्तरी कमान के प्रवक्ता ने बताया कि तीनों घायलों को उधमपुर के कमान अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सेना का उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर ध्रुव संचालन उड़ान पर था और पूर्वान्न करीब 11:15 बजे पर इसे किश्तवाड़ जिले में मड़वा नदी के किनारे के निकट आपात स्थिति में उतरना पड़ा। पायलट ने वायु नियंत्रण कक्ष को हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने और आपात स्थिति में उतरने की जानकारी दी थी। उपयुक्त जगह नहीं होने से हेलिकॉप्टर जमीन से टकरा गया। सेना की बचाव टीमों ने दोनों पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया।

कश्मीरः सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मार गिराया

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार सुबह आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि 24 घंटे से भी कम समय में कश्मीर में यह दूसरी मुठभेड़ थी। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि बारामूला के वानीगाम क्रीरी क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरु किया गया। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, (एडीजीपी) कश्मीर, विजय कुमार ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान शोपियां जिले के शाकिर माजिद नज़र और हनान अहमद सेह के रूप में हुई, दोनों आतंकवादी संगठन लश्कर से जुड़े हुए थे।

डीआरडीओ के वैज्ञानिक कुरूलकर को पुणे में एटीएस ने किया गिरफ्तार

पुणे, (एजेंसी)। पुणे में डीआरडीओ के एक साइंटिस्ट को पाकिस्तानी एजेंट को सूचना देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, महाराष्ट्र एटीएस ने प्रदीप कुरूलकर को पुणे से गिरफ्तार किया है। कुरूलकर डीआरडीओ में बतौर वैज्ञानिक कार्यरत हैं। आरोप है कि उन्होंने हनी ट्रैप में फंसकर पाक को खुफिया जानकारियां मुहैया कराई

पाक को दे रहा था खुफिया जानकारी

है। प्रदीप कुरूलकर ने व्हाट्सऐप कॉल और व्हाट्सऐप मैसेज के जरिए डीआरडीओ की खुफिया जानकारी पाकिस्तान के गुप्तचर विभाग को दी है। इसके लिए उन्हें पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव हेंडलर ने हनी ट्रैप में फंसाया था। फिलहाल एटीएस उन्हें गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। पाक की खुफिया एजेंसी के गुर्गों के साथ संपर्क साधा।

जातिगत जनगणना पर हाईकोर्ट से लगी रोक

- नीतीश सरकार को हाईकोर्ट से बड़ा झटका
- 3 जुलाई को अगली सुनवाई, तब तक स्टे

पटना, (एजेंसी)। पटना हाईकोर्ट से प्रदेश की नीतीश कुमार सरकार को बड़ा झटका लगा है। दअरसल हाईकोर्ट ने जातिगत जनगणना पर रोक लगा दी है। जातीय गणना के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट ने गुरुवार को अंतरिम आदेश जारी किया। ममजे में चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस मधुरेश प्रसाद की पीठ ने आदेश जारी किया है।

इस केस की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी, तब तक जातिगत जनगणना पर स्टे रहेगा। पटना हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी कर जातिगत गणना पर स्टे लगाया है। महाधिवक्ता पीके शाही ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी तक उन्होंने फैसले की पूरी कॉपी पढ़ी नहीं है। पढ़ने के बाद ही इस पर कुछ बता पाएंगे। हाईकोर्ट के खिलाफ शीर्ष अदालत में जाना है या नहीं, इसपर भी फैसला अभी नहीं लिया गया है।

राज्य सरकार को गणना कराने का अधिकार

पटना हाईकोर्ट में जातीय गणना के खिलाफ दायर याचिकाओं पर बहस के दौरान नीतीश सरकार की ओर से अपना पक्ष रखा गया। सरकार ने कहा कि राज्य सरकार को गणना कराने का अधिकार है। यह जनगणना नहीं है। इसमें आर्थिक रूप से पिछड़े समेत अन्य लोगों की गणना करनी है। उन्होंने कहा कि जाति आधारित गणना में लोगों से 17 प्रश्न पूछे जा रहे हैं।

नर्सिंग छात्राओं की वार्डन ने की कपड़े उतारकर चैकिंग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के एक नर्सिंग कॉलेज में दो छात्राओं के कपड़े उतरवाकर उनकी जांच किए जाने का सनसनीखेज मामले सामने आया है। पुलिस अधिकारियों ने सूचना दी है कि अहिल्या बाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग की दो छात्राओं का आरोप है कि हॉस्टल की वार्डन ने उनके कपड़े उतरवाकर उनकी जांच की थी। अधिकारियों के मुताबिक, चोरी के शक में दो छात्राओं को नग्न कर उनकी जांच की गई और उन्हें प्रताड़ित किया गया।

छात्राओं के आरोप के बाद कॉलेज प्रशासन ने फैक्ट-फाईंडिंग कमेटी बनाई है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि आरोप है कि 02 मई को नर्सिंग कॉलेज की दो छात्राओं को कपड़े उतराने के लिए मजबूर किया गया। पता चला है कि हॉस्टल वार्डेन के बैग में रखे 8000 रुपए कहीं खो गए थे।

वार्डन को शक था कि इन्हीं दोनों छात्राओं ने यह पैसे चुराए हैं। इन दोनों छात्राओं के कपड़े उतार कर उनकी चेकिंग की गई लेकिन कुछ भी नहीं मिला। इस मामले में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि सामने है कि कॉलेज प्रशासन ने फैक्ट-फाईंडिंग कमेटी बनाई है।

लड़कियों का आरोप,फ्लाइट में चढ़ने से पूर्व पब्लिक में कपड़े बदलने को मज़बूर किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दो महिलाओं के एक दावे से एयरलाइन कंपनी पर सवाल उठ रहे हैं। इन्होंने कहा है कि एक एयरलाइन कर्मचारी ने इन्हें पब्लिक में सबके सामने कपड़े बदलने को मजबूर किया है। इस दौरान हर कोई इन्हें देख पा रहा था। अपनी फ्लाइट समय पर पकड़नी थी, इसलिए मजबूरन ऐसा करना पड़ा। मामला अमेरिका के लास वेगास का है। लड़कियों ने अमेरिकन एयरलाइन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इंडिपेंडेंट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिसी मायर ने घटना की जानकारी ट्वीट करके दी है। इसमें उन्होंने कहा है कि लास वेगास के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इनके साथ बदसलूकी की गई। इस मामले को लेकर अमेरिकन कॉमेडियन मायर ने 02 मई को ट्वीट किया।

अब 9 तक नहीं उड़ेगी तंगहाल गो फर्स्ट फ्लाइट, बुकिंग पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आर्थिक संकट से जूझ रही गो फर्स्ट एयरलाइन ने गुरुवार को 9 मई तक की अपनी सभी उड़ाने रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने 15 मई तक के फ्लाइट टिकट की बुकिंग भी रोक दी है। इससे पहले सोमवार को गो फर्स्ट ने 3, 4 और 5 मई के लिए फ्लाइट्स कैंसिल करने की बात कही थी। इससे यात्री भी परेशान हो रहे हैं। डीजीसीए ने गो फर्स्ट के खिलाफ सख्त रुख दिखाते हुए फ्लाइट्स कैंसिल होने के बाद यात्रियों को उनका पैसा तुरंत लौटाने को कहा है।

गो फर्स्ट की वेबसाइट के अनुसार एयरलाइन रोजाना 27 घरेलू और 8 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए 200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती थी। एयरलाइन ने भी टिकटों का पैसा वापस करने की बात कही है। रिफंड ओरिजिनल पेमेंट मोड के जरिए किया जाएगा। मतलब, जिन लोगों ने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से टिकट का पेमेंट किया है, उनके क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट में रिफंड दिखाई देगा। वहीं जिन्होंने यूपीआई और नेट बैंकिंग से पेमेंट किया है, उन्हें रिफंड सीधे उनके अकाउंट में मिलेगा। एनसीएलटी का राहत देने से इनकारकर्ज संकट में फंसी विमानन कंपनी गो फर्स्ट की परेशानियां फिलहाल समाप्त नहीं होने वाली हैं। एनसीएलटी के पास पहुंची कंपनी को गुरुवार को निराशा हाथ लगी है। याचिका पर सुनवाई करते हुए अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया कि आईबीसी के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

गो फर्स्ट फ्लाइट के रद्द होने से जयपुर हवाईअड्डे पर मच गई अफरातफरी

जयपुर, (एजेंसी)। देश के अन्य सभी हवाईअड्डों की तरह, वाडिया समूह के स्वामित्व वाली गो फर्स्ट एयरलाइन द्वारा 3 मई से 9 मई तक सात दिनों के लिए सभी उड़ानें निलंबित किए जाने का जयपुर हवाईअड्डे पर यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। यहां से गोवा, मुंबई और बेंगलुरु के लिए उड़ानें निलंबित हो गई हैं। मंगलवार को एयरलाइन ने कहा था कि उसने दिवाला समाधान के लिए अर्जी दायर की है, क्योंकि यह अब अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा करना जारी नहीं रख सकती। इसने अमेरिकी कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी के दोषपूर्ण इंजन को अपने बेड़े के 50 प्रतिशत के ग्राउंडिंग के लिए जिम्मेदार ठहराया। जयपुर हवाईअड्डा प्रशासन के मुताबिक, एयरलाइन ने तीन मई से पांच मई तक हवाईअड्डे से उड़ानें बंद करने की घोषणा करते हुए एक पत्र लिखा था, जिसे गुरुवार को नौ मई तक बढ़ा दिया गया। एयरलाइन ने ट्वीट किया, परिचालन संबंधी कारणों से, गो फर्स्ट उड़ानें 9 मई, 2023 तक रद्द कर दी गई हैं।

एक नज़र

पीएम मोदी के 'मन की बात' का 100वां एपिसोड

राजभवन से लेकर गांव-ढाणी तक सुनी गई 'मन की बात'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' का 100वां एपिसोड रविवार को गांव-ढाणी से लेकर विदेश तक सुना गया। राजस्थान में भी प्रदेश भाजपा की ओर से इस कार्यक्रम को करीब 20 हजार से अधिक स्थानों पर सुनाया गया। जिसमें 40 लाख से ज्यादा लोगों ने कार्यक्रम को सुना। इस दौरान राजभवन, सांसदों, विधायकों से लेकर बूथ स्तर तक कार्यक्रम को सुनने की व्यवस्था की गई। वहीं भाजपा ने विधानसभा के शक्ति केन्द्र व मंडल स्तर, विभिन्न सामाजिक संस्था और संगठनों ने भी मन की बात को सुना। प्रदेश भाजपा ने 100वें एपिसोड को ऐतिहासिक बनाने के लिए जयपुर के राजमंदिर सिनेमा-हॉल में कार्यक्रम का प्रसारण किया। वहीं गांव-ढाणी और बूथ स्तर पर भी बीजेपी ने प्रधानमंत्री को सुनने के लिए अलग-अलग आयोजन किए। जहां प्रदेशाध्यक्ष से लेकर सांसद, विधायक और केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

नेता प्रतिपक्ष लंदन में रहे मौजूद

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने मन की बात कार्यक्रम को लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग (हाई कमीशन) में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, विक्रम स्वामी दोराही, हाई कमिश्नर ऑफ इंडिया, यूके एवं ओवरसीज फ्रेंड ऑफ बीजेपी लंदन के अध्यक्ष कुलदीप शेखावत सहित वहां मौजूद प्रवासी भारतीयों और लंदन के नागरिकों के साथ सुना।

राजभवन में की गई स्क्रीनिंग

मन की बात कार्यक्रम की राजभवन में स्क्रीनिंग की गई। जहां पर राज्यपाल मिश्र से लेकर पद्म पुरस्कार से सम्मानित कला, संस्कृति, चिकित्सा, खेल, उद्यमिता से जुड़े व्यक्तियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मिश्र ने कहा कि पीएम मोदी की यह ऐतिहासिक और अनूठी पहल है, जिसमें नागरिकों से प्रधानमंत्री का सीधा संवाद होता है।

जोशी और राजे ने सांचौर में लिया हिस्सा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, राष्ट्रीय मंत्री व सह प्रभारी विजया राहटकर, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने जालौर जिले के सांचौर विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र मण्डल के शक्ति केंद्र पर हजारों बूथ कार्यकर्ताओं, गोभक्तों ओर ग्वालों के साथ मन की बात को सुना। वहीं पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने सांचौर जालोर में ग्रामीणों के साथ 100 वां एपिसोड सुना। राजे के साथ सांसद दुष्यंत सिंह और देवजी पटेल ने भी मन की बात सुनी। प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा ने बताया कि संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने नगर विधानसभा के सीकरी, राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर बस्सी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जोधपुर, अर्जुनराम मेघवाल बीकानेर, कैलाश चौधरी बाड़मेर में मौजूद रहे।

सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित योग एक आध्यात्मिक अनुशासन, इसका उद्देश्य शरीर और मन के बीच सामंजस्य स्थापित करना है: राज्यपाल मिश्र

हिलव्यू समाचार

जयपुर। उगते हुए सूरज के साथ आज जयपुर उस समय योगमय हो गया जब 15 हजार से भी अधिक लोगों ने 45 मिनट के कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास एक लय-ताल के साथ किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 के 50 दिन शेष रहने के अवसर पर शहर के भवानी निकेतन शिक्षा समिति के खेल मैदान में केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित योग महोत्सव में प्रदेश के राज्यपाल और अनेक केन्द्रीय मंत्रियों, राजस्थान की धरती से जुड़े सांसदों, स्थानीय मेयर, प्रदेश सरकार के आयुष से जुड़े अधिकारियो, स्थानीय योग-संस्थाओं के ओजस्वी योग साधकों के इस योगमय संगम ने एक इतिहास बना दिया।

आयुष मंत्रालय के तहत कार्यरत स्वायत्त संस्था मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के साथ मिलकर तथा राजस्थान सरकार, स्थानीय अधिकारियों और योग से जुड़े स्थानीय संस्थानों के सक्रिय सहयोग से यह आयोजन किया। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्री बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग और आयुष सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री, अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री , कैलाश चौधरी, केंद्रीय आयुष और महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ मुंजपारा महेंद्रभाई कालूभाई, भीलवाड़ा सांसद सुभाष चंद्र बहेरिया, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, सांसद, करौली-धौलपुर, डॉ. मनोज राजोरिया, सांसद, नागौर, हनुमान बेनीवाल, सांसद, अजमेर, भागीरथ चौधरी, एमपी राजसमंद, दीया कुमारी, जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ श्रीमती सौम्या गुर्जर, जयपुर ग्रेटर उप महापौर पुनीत कर्णावत के साथ-साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों ने हजारों स्थानीय लोगों के साथ मिलकर योग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से इस विशाल महोत्सव में सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया।

15,000 से अधिक लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास कर रचा इतिहास

योग और आयुर्वेद ने कोविड महामारी से उबरने में दुनिया की मदद की: राज्यपाल

इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल, कलराज मिश्र ने कहा, योग और आयुर्वेद का सदियों पुराना इतिहास है। योग का सबसे पहला उल्लेख सबसे पुराने पवित्र ग्रंथों में से एक ऋग्वेद में मिलता है। यह आध्यात्मिक अनुशासन एक सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित है जिसका उद्देश्य शरीर और मन के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। कोविड-19 के कठिन समय से गुजर रही दुनिया को योग और आयुर्वेद ने महामारी को नियंत्रित करने में मदद की है। हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र भाई मोदी की दीक्षा और प्रेरणा पर, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। तभी से पूरा विश्व उत्साह और उल्लास के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। मैं योग के 50वें काउंटडाउन के इस मेगा इवेंट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। मैं गुलाबी नगरी जयपुर में इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयुष मंत्रालय को बधाई देता हूं।

योग ऋषि मुनियों की अथक साधना का परिणाम है

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, आज हम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पचास दिन पूर्व आयोजित इस योग महोत्सव कार्यक्रम के लिए इस खूबसूरत शहर में एकत्रित हुए हैं। योग के महत्व को समझने के लिए हमें सबसे पहले यह जानना होगा कि योग क्या है। योग हजारों वर्षों से ऋषि मुनियों की अथक साधना का परिणाम है। हमारे ऋषि-मुनियों ने योग को 'समत्वं योग उच्यते' कहा है, जिसका अर्थ है सुख और दुख दोनों में संतुलन और असंतुलन दोनों में संतुलित रहना। योग ने दुनिया को एक सूत्र में पिरोया है, वैश्विक मूल्यों को नया अर्थ दिया है ।

राजस्थान अपार संभावनाओं वाला प्रदेश: सोणोवाल

आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने कहा, आज योग की समृद्ध विरासत वाले इस ऐतिहासिक शहर जयपुर में इस योग महोत्सव कार्यक्रम को शानदार सफलता मिली है। जिस तरह से आप हजारों लोग यहां शामिल हुए हैं, हमारे गतिशील प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के योग को लोगों के बीच स्वास्थ्य और कल्याण आंदोलन बनाने के दृष्टिकोण को इससे जबरदस्त बढ़ावा मिला है।

रविंद्र मंच: टैगोर थिएटर के तहत नाटक

दिलवाले दुल्हनिया दे जाएंगे ने दिखाया समाज को आईना

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राज व सिमरन की नोकझोंक नफरत और प्रेम पर आधारित है। कहानी में पति-पत्नी बात-बात पर इतना झगड़ते रहते हैं कि नौबत तलाक तक आ पहुंचती है। फिर एक विवाह विच्छेद समारोह आयोजित होता है। इसके साथ कहानी आगे बढ़ती है। कलाकार अभिनय में कई मैसेज देते हैं।

नजारा था आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर कला साहित्य संस्कृति व पुरातत्व विभाग तथा रविंद्र मंच द्वारा टैगोर थिएटर में नाटक के आयोजन का। इसका उद्देश्य प्रांतीय व भारतीय कला और संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने के साथ संवर्धन के साथ-साथ कलाकारों को मंच देना है। टैगोर थिएटर योजना के तहत नाटक दिलवाले दुल्हनिया दे जाएंगे का मंचन किया गया। लेखक अनुरोध शर्मा व निर्देशिका का सुप्रिया शर्मा ने कहानी को सुंदर अंदाज में प्रस्तुत किया। नाटक में गृहस्थी जीवन के छोटे-छोटे दृश्यों के माध्यम से आज की दहेज प्रथा, व्यवसायिक होती शिक्षा प्रणाली और संस्कृति बचाओ के नाम पर पनपती गुंडागर्दी पर जोरदार व्यंग किया। नाटक में सिमरन बनी साक्षी खानवानी और राज के रूप में नितिन सैनी ने सशक्त अभिनय किया।

राहुल शर्मा, राहुल बैरवा, दीक्षांत शर्मा, रजत शर्मा, अक्षत शर्मा, केशव, अभिषेक, प्रदीप खटीक, अंशु कटारिया, प्रियांशु पारीक , अंजलि भिन्न भूमिकाओं में दिखे।

रविंद्र मंच मैनेजर प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि युवाओं में कला व संस्कृति के प्रति रुझान पैदा करने के दृष्टिकोण से इस नाटक का मंचन किया गया।

निशुल्क कृत्रिम पैर लगाए

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नेपाल के महिला और पुरुष दल के पन्द्रह सदस्यों को जो भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) की ओर से निशुल्क कृत्रिम पैर लगाए गए। नेपाल के बांकी जिला में महिला दिव्यांगजनों की संस्था बांकी डिसेब्ल्ड वुमन एसोसिएशन की विनिता शर्मा ने बताया कि समय-समय पर नेपाल सो विकलांगों को जयपुर फुट लगवाने के लिए भेजा जाता है। उनकी संस्था को बीएमवीएसएस पूरा सहयोग निशुल्क देती है। दल को बीएमवीएसएस के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डीआर मेहता ने छह व्हील चेयर, चार वॉकर और तीन बैसाखी भेंट की।

सृष्टि द विमन्स क्लब के राष्ट्रीय स्तर सम्मान समारोह "सृष्टि अचीवर अवार्ड्स" में देश भर से सम्मानित हुई प्रतिभाएँ

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सृष्टि द विमन्स क्लब देश भर में जाना माना क्लब हाउस है। सृष्टि द विमन्स क्लब समाज के उत्थान में विशेष भूमिका अदा करता आया है चाहें महिला सशक्तिकरण हो,दिव्यांग मैराथन हो, जीवन विशेष उपलब्धि पर सभी वर्गों का सम्मान हो सृष्टि ने सभी को एक नई पहचान दी है। समाज सेवा में सरकारी बालिका विद्यालय में टॉयलेट्स बनवाना,सेनेटरी नैपकिन्स वितरण,बालिका शिक्षा के लिए विशेष आयोजन,भारतीय संस्कृति के लहरिया,घूमर,गणगौर, तीज जैसे त्यौहारों को जीवंतता सृष्टि क्लब के आयोजनों ने दी है।

आयोजक व सृष्टि द विमन्स क्लब फाउंडर मधु सोनी ने बताया कि 5 मई 2023 की शाम 6 बजे कहवा रेस्टोरेंट,बजाज नगर में देश भर से सृष्टि अचीवर अवार्ड्स में विशेष शख़्सियत ने भाग लिया। जिसमें सभी को उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए अवार्ड्स दिए गए। जिसमें वंदना वर्मा उदयपुर,असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रंजना जोशी (दिव्यांग) उदयपुर,दीप्ति माथुर, लखनऊ,सृष्टि गुलाटी फरीदाबाद, पप्पू जी (दिव्यांग) पैरा एथलीट,भारत देश का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर,विनीता श्रीमाल जैन - पैरा एथलीट गोल्ड मेडलिस्ट,हेमलता सिंह पहली ऑटो महिला चालक,शालिनी श्रीवास्तव हिलव्यू समाचार एडिटर ज्वंलत मुद्दों पर विशेष कार्य,मोना शर्मा जयपुर,सुनीता धोबी जयपुर,हेमन्त भाई गोयल जयपुर, चित्रा खुराना जयपुर , मिताली सोनी जयपुर,सुमन जोधपुरी ,आचार्य अनुपमा अग्रवाल,अमिता शर्मा एंटरप्रेन्योर एवं क्लब की चार सीनियर सिटीजन महिलायें नीलिमा माँ, गायत्री सिंघल, रेणू अग्रवाल, बृजेश पँवार सहित अन्य प्रतिभाएँ सम्मानित हुईं।

कार्यक्रम संयोजक व ब्रांड एंकर कुलदीप गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में अर्चना शर्मा अध्यक्ष समाज कल्याण बोर्ड, पूजा राणावत एंटरप्रेन्योर व फैशन डिजाइनर,गिरिजा शर्मा एंटरप्रेन्योर व सोशल एक्टिविस्ट, राजकिशोर सक्सेना प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव दूरदर्शन,संजय सरदाना अभिनेता,कविता मित्तल, राधेश्याम गुप्ता समाज सेवी, नरेंद्र उपाध्याय समाजसेवक,सपना पाठक डायरेक्टर म्यूजिकल सफर इंडिया व अन्य गणमान्य अतिथियों ने शिरक़त की।

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास- सबको आवास

STATE SERVICES RESIDENCY PHASE-II

स्ववित्त पोषित योजना
सेक्टर-19, प्रताप नगर योजना, जयपुर
बहुमंजिला (2B+G+12) फ्लैट्स के पंजीकरण

आवासीय योजना की प्रमुख स्थलों से दूरी
- एन.आर.आई. कॉलोनी 0.5 कि.मी.
- जगतपुरा रेलवे स्टेशन 3.0 कि.मी.
- ए.आई.एस. रेजीडेन्सी 0.5 कि.मी.
- जवाहर सर्किल 5.0 कि.मी.
- अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 2.5 कि.मी.

आय वर्ग	फ्लैट्स संख्या	अनुमानित निर्मित क्षेत्रफल (वर्गफीट)	अनुमानित लागत (रुपये लाख)
उच्च आय वर्ग-प्रथम	3 (3 BHK)	3335.00	110.82
उच्च आय वर्ग-द्वितीय	6 (3 BHK)	2405.00	80.32
उच्च आय वर्ग-तृतीय	41 (3 BHK)	1870.00	59.99

ऑनलाइन आवेदन अवधिः 02.05.2023 से 25.05.2023 तक

RERA Reg. No. RAJ/P/2022/1996 https://rera.rajasthan.gov.in

विस्तृत जानकारी हेतु मण्डल की वेबसाइट देखें।

www.urban.rajasthan.gov.in/rhb

सम्पर्क सूत्र

आवासीय अभियंता, खण्ड- XII	परियोजना अभियंता (व.) खण्ड-XII	प्रभारी अधिकारी- विपणन
फोन नं. 0141-2790270	फोन नं. 0141-2790270	फोन नं. 0141-2741950
मो. नं.: 9829180301	मो. नं.: 9983993925	मो. नं.: 7665022444

आवेदन पत्र मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/rhb पर ऑनलाइन भरे जाएंगे। इस हेतु आवेदन पत्र की कीमत रुपये 354/- पंजीकृत राशि में सम्मिलित कर सीधे ही अपने बैंक के माध्यम से /क्रेडिट/डेबिट कार्ड के माध्यम से जमा करवाया जा सकता है या चालान प्रिन्ट कर AU Small Finance बैंक के खाता संख्या 1000000000000177 IFSC Code: AUBL0002207 में किसी भी बैंक से जमा करवा सकते हैं।

राजस्थान संवाद

आवास भवन, जनपथ, ज्योति नगर, जयपुर-302005

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)